Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

हिन्दी दैनिक

E-Mail : mantragwalior@gmail.com

संस्करण : ग्वालियर
वर्ष : 03
अंक : 72
पृष्ठ : 6
मूल्य : 2.00
रविवार,12 अक्टूबर 2025

मंत्र भारत

ग्वालियर, मुम्बई, लखनऊ एवं प्रयागराज,से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

3 एमिटी स्कूल में नर्सरी से ग्रेड-4 के बच्चों का समारोह 4 प्रतिस्पर्धात्मक शैक्षणिक संस्कृति में छिपे तनाव पहचानें 5 एल्विश यादव के साथ रिलेशनशिप के दावे पर

प्रधानमंत्री मोदी ने किसानों को दी 35,440 करोड़ रुपये की सौगात

दो बड़ी कृषि योजनाओं का किया शुभारंभ

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को 35,440 करोड़ रुपये के कुल परिव्यय वाली दो प्रमुख कृषि योजनाओं का शुभारंभ किया। इनमें आयात पर निर्भरता कम करने के लिए एक दलहन आत्मनिर्भरता मिशन शामिल है। मोदी ने किसानों से घरेलू और वैश्विक मांग को पूरा करने के लिए उत्पादन बढ़ाने का आह्वान भी किया। उन्होंने राष्ट्रीय राजधानी के पूसा परिसर में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि 2047 तक विकसित भारत के सपने को साकार करने में किसानों की महत्वपूर्ण भूमिका है। मोदी ने कहा कि दो बड़ी योजनाएं-24,000 करोड़ रुपये की प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना (पीएम-डीडीकेवाई) और 11,440 करोड़ रुपये का दलहन आत्मनिर्भरता मिशन - लाखों किसानों का भाग्य बदल देंगी। प्रधानमंत्री ने कृषि, पशुपालन, मत्स्य पालन और खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्रों में 5,450 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं का उद्घाटन किया और लगभग 815 करोड़ रुपये की अतिरिक्त परियोजनाओं की आधारशिला रखी। पीएम-डीडीकेवाई का मकसद आकांक्षी जिला कार्यक्रम (एडीपी) मॉडल के आधार पर 100 कम प्रदर्शन वाले कृषि जिलों का कायाकल्प करना है। यह योजना फसल उत्पादकता बढ़ाने, फसल विविधीकरण को बढ़ावा देने, सिंचाई और भंडारण सुविधाओं में सुधार और चयनित जिलों में ऋण पहुंच बढ़ाने पर केंद्रित होगी। उन्होंने कहा, "आपने (किसानों ने) आजादी के बाद भारत को खाद्यान्न के मामले में आत्मनिर्भर बनाया है। अब, भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने में आपकी अहम भूमिका है। एक ओर, हमें खाद्यान्न के मामले में आत्मनिर्भर बनना है, वहीं दूसरी ओर हमें वैश्विक बाजार के लिए उत्पादन करना होगा। मित्रों, हमें अंतरराष्ट्रीय बाजार की संभावनाएं तलाशनी होंगी।" मोदी ने किसानों से उन फसलों पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया जिनकी वैश्विक मांग है। उन्होंने कहा, "हमें अपने आयात कम करने होंगे, जबकि निर्यात बढ़ाने में पीछे नहीं रहना चाहिए।" उन्होंने कहा कि ये दोनों नई योजनाएं इन दोनों उद्देश्यों को हासिल करने में अहम भूमिका निभाएंगी। मोदी ने किसानों से गेहूं और चावल के अलावा, दालों पर ध्यान केंद्रित करने को कहा, ताकि प्रोटीन सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। दुनिया का सबसे बड़ा दाल उत्पादक और उपभोक्ता होने के बावजूद भारत अभी भी इसके लिए आयात पर निर्भर है। मोदी ने किसानों से दलहन उत्पादन बढ़ाने और आत्मनिर्भरता हासिल करने के लिए 2030 तक दलहन की खेती का रकबा 35 लाख हेक्टेयर तक बढ़ाने का आग्रह किया। दलहन आत्मनिर्भरता मिशन का लक्ष्य 2030-31 तक दलहन उत्पादन को मौजूदा 252.38 लाख टन से बढ़ाकर 350 लाख टन करना है, जिससे आयात पर निर्भरता कम होगी।

बिहार में एनडीए के प्रचार अभियान की कमान संभालेंगे सीएम योगी

20 से अधिक रैलियों की तैयारी

लखनऊ (संवाददाता)। बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए गठबंधन अब उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की लोकप्रियता का लाभ लेने की तैयारी में है। सूत्रों के अनुसार, योगी आदित्यनाथ अक्टूबर के तीसरे सप्ताह से बिहार में चुनाव प्रचार शुरू कर सकते हैं और 20 से अधिक जनसभाओं को संबोधित करेंगे। बीजेपी की रणनीति में योगी आदित्यनाथ को प्रमुख चेहरा बनाने का निर्णय लिया गया है, खासकर बिहार के उन इलाकों में जहां उत्तर प्रदेश से सामाजिक और सांस्कृतिक समानताएं हैं। उत्तर बिहार और मध्य बिहार के कई जिलों में योगी के कार्यक्रम निर्धारित किए जा रहे हैं, जिनमें सीतामढ़ी और मिथिलांचल क्षेत्र शामिल हैं। माना जा रहा है कि इन इलाकों में योगी की उपस्थिति से एनडीए को स्पष्ट लाभ हो सकता है। सीतामढ़ी जिले के पुनौरा में जानकी माता के भव्य मंदिर निर्माण कार्य को ध्यान में रखते हुए, योगी आदित्यनाथ का यहां प्रचार करना सांस्कृतिक दृष्टि से भी प्रभावी माना जा रहा है। बता दें कि मिथिला और अवध के बीच सांस्कृतिक रिश्ते ऐतिहासिक रूप से मजबूत रहे हैं, और बीजेपी इन्हीं भावनाओं को भुनाने की योजना में है। एनडीए की रणनीति यह भी मानती है कि योगी आदित्यनाथ की साफ-सुथरी और सख्त प्रशासक की छवि, उनके आक्रामक और ओजस्वी भाषणों के साथ, मतदाताओं को प्रभावित कर सकती है। हिंदुत्व से जुड़ी उनकी पहचान और विकास पुरुष के रूप में उनका चेहरा, बीजेपी को अतिरिक्त राजनीतिक धार दे सकता है। हालांकि अभी तक पार्टी की ओर से औपचारिक घोषणा नहीं की गई है, लेकिन योगी आदित्यनाथ के रैली कार्यक्रम की रूपरेखा लगभग तय कर ली गई है। 6 और 11 नवंबर को बिहार में मतदान होना है और इससे पहले योगी की सभाओं से माहौल बनाने की कोशिश की जाएगी।

कोलकाता में मूक-बधिर युवती से बलात्कार, एक गिरफ्तार

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता में शनिवार तड़के एक व्यक्ति ने 20 वर्षीय मूक-बधिर युवती के साथ कथित तौर पर बलात्कार किया, जिसके बाद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि कथित घटना के संबंध में प्राथमिकी दर्ज होने के तुरंत बाद गिरफ्तारी की गई। उन्होंने बताया कि यह घटना शहर के दक्षिण-पश्चिम हिस्से में नडियाल इलाके में रात करीब 12:30 बजे हुई। अधिकारी ने बताया कि महिला को स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी चिकित्सा जांच की जा रही है। उन्होंने घटना का ब्यौरा दिए बिना बताया कि विशेष सूचना के आधार पर नडियाल पुलिस थाने के अधिकारियों ने छापेमारी की और शनिवार सुबह करीब 6:35 बजे आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। अधिकारी ने कहा, आरोपी से फिलहाल पूछताछ की जा रही है और उसे बाद में स्थानीय अदालत में पेश किया जाएगा।

सांसद रामवीर सिंह विधूड़ी 'शिवभारत गौरव' से सम्मानित

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के वरिष्ठ समाजसेवी और दक्षिण दिल्ली के लोकसभा सदस्य रामवीर सिंह विधूड़ी जी को आज उनके छह दशक के राजनीतिक और सामाजिक सफर के सम्मान में 'शिवभारत गौरव' से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें मराठा समन्वय परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष कमलेश पाटील, पटेल मैत्री समिति के अध्यक्ष इंजी. आर एन राय, और महासचिव पातीराम गंगवार, इंटरनेशनल जिजाऊ ब्रिगेड के मीडिया संयोजक संयुक्ता देशमुख ने संयुक्त रूप से प्रदान किया। सांसद रामवीर सिंह विधूड़ी से यह मुलाकात आगामी 2 नवंबर को आयोजित देश के प्रथम उपप्रधानमंत्री और गृहमंत्री तथा संविधान सभा की मौलिक अधिकार एवं अल्पसंख्यक समिति के अध्यक्ष बैरिस्टर सरदार वल्लभभाई पटेल जी की जयंती समारोह के निमंत्रण हेतु की गई थी। 1970 में विद्यार्थी आंदोलन से अपनी राजनीतिक यात्रा शुरू करने वाले सांसद रामवीर सिंह विधूड़ी ने अपने राजनीतिक जीवन के पहले दशक में ही कैबिनेट मंत्री का दर्जा प्राप्त कर लिया था। वह दिल्ली विधानसभा में चार बार सदस्य रहे और विपक्ष के नेता की जिम्मेदारी भी बखूबी निभाई।

यूकेएसएसएससी की परीक्षा रद्द, आयोग की रिपोर्ट के बाद सरकार का बड़ा फैसला

तीन माह में दोबारा होगी

देहरादून (एजेंसी)। परीक्षा लीक प्रकरण में अनियमितताओं की जांच के लिए राज्य सरकार द्वारा गठित एकल सदस्यीय जांच आयोग ने आज मुख्यमंत्री धामी को अंतरिम रिपोर्ट प्रस्तुत की। आयोग की अध्यक्षता न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) यू.सी. ध्यानी द्वारा की गई। जिसके बाद परीक्षा रद्द करने का फैसला लिया गया। उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग की स्नातक स्तरीय परीक्षा को रद्द करने का बड़ा फैसला लिया गया है। तीन महीने के भीतर दोबारा परीक्षा कराई जाएगी। जांच के लिए गठित एकल सदस्यीय जांच आयोग ने आज अपनी रिपोर्ट मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को सौंपी।

आयोग ने 21 सितंबर को प्रदेश में स्नातक स्तरीय परीक्षा कराई थी, जिसमें करीब एक लाख पांच हजार अभ्यर्थी शामिल हुए थे। यूकेएसएसएससी ने भर्ती परीक्षा को निरस्त करने के आदेश जारी कर दिए गए हैं। आयोग की ओर से कहा गया कि अन्य परीक्षाओं पर इसका कोई फर्क नहीं पड़ेगा। जांच के लिए गठित एकल सदस्यीय जांच आयोग की रिपोर्ट सौंपने के बाद आज प्रदेश सरकार की ओर से परीक्षा रद्द करने का फैसला लिया गया। पेपर लीक प्रकरण के बाद उत्तराखंड बेरोजगार संघ के बैनर तले प्रदेश के युवा धरना-प्रदर्शन कर रहे थे। इस बीच सीएम धामी युवाओं के बीच पहुंचे थे। उनकी मांगों पर कार्रवाई का आश्वासन दिए जाने के बाद युवाओं ने अपना धरना खत्म किया था। मामले में कार्रवाई के लिए युवाओं ने सरकार को दस दिन का समय दिया था, जिसकी मियाद आज पूरी हो रही थी। जांच कमेटी ने अपनी रिपोर्ट सौंपी और सरकार ने परीक्षा रद्द करने का फैसला लिया। परीक्षा में हरिद्वार के एक केंद्र से पेपर के तीन पेज मोबाइल के माध्यम से बाहर आ गए थे और परीक्षा के दौरान ही सोशल मीडिया में वायरल हो गए थे।

प्रधान न्यायाधीश गवई ने डिजिटल दौर में लड़कियों की असुरक्षा पर चिंता जताई

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) बी.आर. गवई ने शनिवार को ऑनलाइन उत्पीड़न, साइबर धमकी और डिजिटल स्टॉकिंग के साथ-साथ व्यक्तिगत डेटा और डीपफेक तस्वीरों के कारण लड़कियों के विशेष रूप से संवेदनशील स्थिति में होने को लेकर चिंता जाहिर की। उन्होंने इस संदर्भ में विशेष कानून बनाए जाने और कानून प्रवर्तन एजेंसियों व नीति निर्धारकों को विशेष प्रशिक्षण देने की आवश्यकता पर जोर दिया। डिजिटल स्टॉकिंग इंटरनेट और अन्य इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों का उपयोग करके किसी व्यक्ति को परेशान करना, धमकाना या उसका पीछा करने को कहते हैं। प्रधान न्यायाधीश ने यूनिसेफ, भारत के सहयोग से उच्चतम न्यायालय की किशोर न्याय समिति (जेजेसी) के तत्वावधान में आयोजित

बालिकाओं की सुरक्षाः भारत में उनके लिए सुरक्षित और सक्षम वातावरण की ओर विषय पर राष्ट्रीय वार्षिक हितधारक परामर्श में अपनी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि संवैधानिक और कानूनी संरक्षण के बावजूद देश भर में अनेक बालिकाओं को अब भी उनके मौलिक अधिकारों और यहां तक कि जीवन-निर्वाह के बुनियादी साधनों से भी वंचित रहना पड़ रहा है। यह असुरक्षा उन्हें यौन शोषण, उत्पीड़न और हानिकारक प्रथाओं तथा अन्य गंभीर जोखिमों के प्रति अत्यधिक संवेद नशील बना देती है। प्रधान न्यायाधीश ने कहा, बालिकाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करना केवल उसके शरीर की रक्षा करना नहीं है, बल्कि उसकी आत्मा को मुक्त करना है। एक ऐसा समाज बनाना जहां वह सम्मान के साथ अपना सिर ऊंचा रख सके और जहां उसकी आकांक्षाएं शिक्षा और समानता से पोषित हों... हमें उन गहरी जड़ें जमाए हुए पितृसत्तात्मक रीति-रिवाजों का सामना करना होगा और उन पर विजय प्राप्त करनी होगी जो लड़कियों को उनके उचित स्थान से वंचित करते हैं। रवींद्रनाथ टैगोर की कविता व्हेयर द माइंड इज विदाउट फियर को याद करते हुए न्यायमूर्ति गवई ने कहा कि इसमें बालिकाओं की सुरक्षा के लिए जो कुछ हासिल करने का प्रयास किया जा रहा है, उसका सार समाहित है। उन्होंने कहा, यह सपना तब तक अधूरा रहेगा जब तक हमारे देश में कोई भी लड़की भय में रहेगी - हिंसा के भय में, भेदभाव के भय में, या सीखने और सपने देखने के अवसर से वंचित होने के भय में।

दारुल उलूम से बिना संबोधन लौटे आमिर खान मुत्ताकी

हदीस का सबक पढ़ाने की ली इजाजत

सहारनपुर (एजेंसी)। अफगानिस्तान की तालिबान सरकार के विदेश मंत्री मौलाना अमीर खान मुत्ताकी आज भारत के सबसे प्रतिष्ठित इस्लामी शिक्षण संस्थान दारुल उलूम देवबंद पहुंचे। संस्था प्रशासन ने उनकी अगवानी के लिए 15 प्रमुख उलमा लगाए। मुत्ताकी का काफिला दिल्ली से सुबह साढ़े आठ बजे रवाना हुआ और वे तकरीबन 12 बजे देवबंद पहुंचे। सुरक्षा एजेंसियों ने पूरे क्षेत्र में कड़े इंतजाम किए हुए थे। मुत्ताकी का स्वागत दारुल उलूम की विशालकाय गोलाकार लाइब्रेरी में किया गया। मौलाना अमीर खान मुत्ताकी अफगानिस्तान में तालिबान शासन के प्रमुख नेताओं में शामिल हैं। वर्ष 2021 में सत्ता संभालने के बाद यह उनकी भारत की पहली यात्रा है। वे छह दिवसीय दौरे पर भारत आए हैं और शुक्रवार को दिल्ली में कई अधिकारियों से मुलाकात कर चुके हैं। दारुल उलूम देवबंद में उनका स्वागत कार्यक्रम संस्था के मोहतमिम मौलाना मुफ्ती अबुल कासिम नोमानी की देखरेख में तैयार किया गया। महिला पत्रकारों को मिली

है खास नसीहत जानकारी के अनुसार, दारुल उलूम में मौजूद महिला पत्रकारों से कहा गया कि वे कार्यक्रम के दौरान परदा करके अलग स्थान पर बैठें। संस्था ने इसे परंपरागत व्यवस्था का हिस्सा बताया है। जैसे ही मुत्ताकी का काफिला देवबंद पहुंचा। रास्ते में भारी संख्या में मदरसे के छात्रों ने खड़े होकर उनका स्वागत किया। मौलाना अरशद मदनी ने कही ये बात अफगानिस्तान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी के देवबंद आगमन को लेकर जमीयत उलमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी ने कहा, 'हमारा अफगानिस्तान के साथ एक शैक्षिक और शैक्षणिक संबंध है।

हुक्मरानों का पूर्वाग्रह बड़े अधिकारी को भी सामाजिक न्याय की कसौटी से वंचित रखता है : सोनिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी ने कथित तौर पर आत्महत्या करने वाले आईपीएस अधिकारी वाई. पूरण कुमार की पत्नी को शोक संदेश भेजकर दुख जताया और कहा कि आज भी हुक्मरानों का पूर्वाग्रह से ग्रस्त पक्षपातपूर्ण रवैया बड़े से बड़े अधिकारी को भी सामाजिक न्याय की कसौटी से वंचित रखता है। भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के अधिकारी पूरण कुमार ने बीते मंगलवार को चंडीगढ़ स्थित अपने आवास पर कथित तौर पर खुद को गोली मार ली थी और उन्होंने एक सुसाइड नोट छोड़ा था। गांधी ने कुमार की

पत्नी अमनीत पी. कुमार को 10 अक्टूबर को भेजे पत्र में लिखा, आपके पति व वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी श्री वाई. पूरण कुमार के देहांत की खबर स्तब्ध करने वाली भी है और मन को व्यथित करने वाली भी। अपार मुश्किल की इस घड़ी में मेरी ओर से आपके अलावा पूरे परिवार के प्रति गहरी संवेदनाएं। उन्होंने कहा कि कुमार का देहावसान यह याद दिलाता रहेगा कि आज भी हुक्मरानों का पूर्वाग्रह से ग्रस्त पक्षपातपूर्ण रवैया बड़े से बड़े अधिकारी को भी सामाजिक न्याय की कसौटी से वंचित रखता है। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष ने कहा, न्याय की इस डगर पर मैं और करोड़ों देशवासी आपके साथ खड़े हैं।

दिल्ली पुलिस ने 37 दिन बाद मानसिक रूप से अशक्त युवती को परिवार से मिलाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस ने मध्य प्रदेश की 21 वर्षीय बौद्धिक रूप से अशक्त युवती को 37 दिनों की खोज के बाद उसके परिवार से मिला दिया है। इस युवती को पिछले महीने शाहदरा में छोड़ दिया गया था। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी अधिकारियों ने बताया कि सितंबर की शुरूआत से ही मानव व्यवहार एवं संबद्ध विज्ञान संस्थान (इहबास) में उपचाराधीन युवती को सात अक्टूबर को उसके परिवार को सौंप दिया गया। सीमापुरी पुलिस थाने को एक पुलिस नियंत्रण कक्ष (पीसीआर) कॉल के माध्यम से एक परित्यक्त गर्भवती युवती के इलाके में होने की सूचना मिली। पुलिस उपायुक्त (डीसीपी-शाहदरा) प्रशांत गौतम ने कहा, उसे मेडिकल जांच के लिए गुरू तेग बहादुर (जीटीबी) अस्पताल ले जाया गया और बाद में स्थानीय अदालत में पेश किया गया, जिसने उसे मानसिक स्वास्थ्य मूल्यांकन और देखभाल के लिए इहबास में भर्ती करने का आदेश दिया। डीसीपी ने बताया, इहबास में उसे भर्ती किए जाने के बाद उसके परिवार का पता लगाने के लिए एक दल का गठन किया गया।

सीएम फडणवीस को संजय राउत का पत्र, चुनाव आयोग की इस बड़ी बैठक का दिया आमंत्रण

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में मुंबई नगर निगम सहित स्थानीय निकायों के चुनावों की तारीखों की घोषणा जल्द की सकती है। इससे पहले 14 अक्तूबर को दोपहर 12:30 बजे राज्य के सभी दलों के नेताओं का एक प्रतिनिधिमंडल मुख्य चुनाव अधिकारी एस चोकलिंगम से मुलाकात करेगा। जिसको लेकर अब शिवसेना यूबीटी सांसद संजय राउत ने महाराष्ट्र सीएम देवेंद्र फडणवीस को पत्र लिखकर सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल में शामिल होने का आग्रह किया है। सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल में शामिल होने

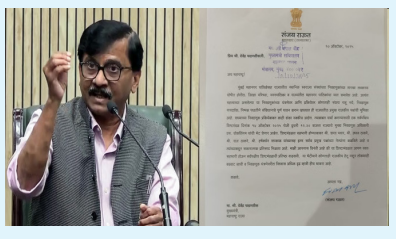

का आग्रह इस बैठक में एनसीपी-एसपी नेता शरद पवार, शिवसेना यूबीटी प्रमुख उद्धव ठाकरे, महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल और मनसे प्रमुख राज ठाकरे समेत शीर्ष नेता शामिल होंगे। जिसे लेकर ठाकरे गुट के सांसद संजय राउत ने कहा कि यह राजनीति नहीं, बल्कि लोकतंत्र को बचाने का प्रयास है। इस संबंध में संजय राउत ने देवेंद्र फडणवीस को एक पत्र लिखा, जिसमें उन्होंने अनुरोध किया है कि मुख्यमंत्री फडणवीस भी इस सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल में शामिल हों। सीएम फडणवीस को लिखे अपने पत्र में संजय राउत ने कहा कि मुंबई नगर निगम सहित राज्य में स्थानीय निकायों के चुनावों की तारीखों की घोषणा जल्द ही की जाएगी।

दिल्ली में भाजपा की महाबैठक, बिहार चुनाव को लेकर शाह-नड्डा वरिष्ठ नेताओं के साथ कर रहे मंथन

पटना (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव में सीट बंटवारे को लेकर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) में बातचीत का दौर अब अंतिम चरण है। भाजपा और जदयू ने अपने कई पुराने चेहरों को हरी झंडी भी दे दी है। लेकिन, अब तक औपचारिक रूप से घोषणा नहीं की है। यह घोषणा आज शाम तक संभावित है। लेकिन, इससे पहले भारतीय जनता पार्टी की कोर कमेटी के सदस्य दिल्ली में राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के घर पर जुटे हैं। गृह मंत्री अमित शाह, बिहार चुनाव प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान, केंद्रीय राज्य मंत्री नित्यानंद राय समेत भाजपा के वरिष्ठ नेता सीट

शेयरिंग समेत कई मुद्दों पर बातचीत कर रहे हैं। एनडीए में चिराग-मांझी की जिद राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) में सीट बंटवारे का काम 95 फीसदी तक हो चुका है। भाजपा और जदयू दोनों 100 से अधिक पर चुनाव लड़ने की तैयारी में हैं। केंद्रीय चिराग पासवान की पार्टी को 28, केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी को आठ और राष्ट्रीय लोक मोर्चा के अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी को करीब पांच सीटें भाजपा और जदयू देना चाहती है। लेकिन, लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास और हिन्दुस्तानी आवाम मोर्चा मानने को तैयार नहीं। चिराग 35 से कम सीटों पर चुनाव नहीं लड़ना चाहते हैं। वहीं जीतन राम मांझी का तर्क है कि राज्य स्तर की पार्टी बनने के लिए आठ विधायक चाहिए। हमारे पास पहले से चार विधायक हैं। ऐसे में 15 सीटों से कम पर चुनाव हमलोग नहीं लड़ कसते हैं। वहीं आरएलएसपी के अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा ने 24 सीटों की मांग की है। तीनों पार्टी के नेताओं ने चुनाव प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान से मिलकर अपनी-अपनी बात रख दी है। जदयू के कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा ने दावा किया है कि एनडीए के घटक दलों के कहीं कोई मतभेद नहीं है। सबलोग एकजुट हैं। जल्द ही सीट बंटवारे का एलान कर दिया जाएगा।

त्योहारों के समय और यात्रा वृद्धि के बीच यात्री सुविधा केंद्र यात्रियों को अधिक सुविधा प्रदान करेगा: केंद्रीय मंत्री

नई दिल्ली: देश के सबसे व्यस्ततम टर्मिनलों में से एक पर यात्रियों के अनुभव को उल्लेखनीय रूप से बेहतर बनाने के लिए, केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण, तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री, श्री अश्विनी वैष्णव ने आज नई दिल्ली रेलवे स्टेशन (एनडीएलएस) पर नवनिर्मित यात्री सुविधा केंद्र (स्थायी होल्डिंग एरिया) का निरीक्षण किया। यह केंद्र लगभग 7,000 यात्रियों की क्षमता के अनुरूप डिजाइन किया गया है, जिससे बोर्डिंग से पहले सुविधा और आवागमन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। श्री अश्विनी वैष्णव ने कहा, ₹नए विकसित अत्याधुनिक यात्री सुविधा केंद्र त्योहारों के मौसम में यात्रियों को सुविधा प्रदान करेंगे क्योंकि इस समय यात्रियों की संख्या में वृद्धि होती है। इस प्रकार के यात्री सुविधा केंद्र देश के अन्य स्टेशनों पर भी बनाए जाएंगे। नए

यात्री सुविधा केंद्र को यात्रियों की आवाजाही को सुगम बनाने के लिए रणनीतिक रूप से तीन क्षेत्रों में विभाजित किया गया है: 2,860 वर्ग मीटर में फैला एक टिकटिंग क्षेत्र, 1,150 वर्ग मीटर में फैला एक टिकटिंग के बाद का क्षेत्र और 1,218 वर्ग मीटर में फैला एक टिकटिंग से पहले का क्षेत्र। यह स्थान संबंधी विभाजन टर्मिनल के मुख्य प्रवेश द्वार पर भीड़ को कम करने और यात्रियों की सुविधा बढ़ाने के लिए डिजाइन किया गया है। उत्तर रेलवे ने यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए केंद्र को व्यापक, आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया है।

प्रमुख विशेषताऐं:

टिकटिंगः 22 आधुनिक टिकट काउंटर और 25 स्वचालित टिकट वेंडिंग मशीनें (एटीवीएम)। क्षमता एवं आरामः 200 यात्रियों के बैठने की क्षमता और शीतलता के लिए 18 उच्च मात्रा निम्न गति (एचवीएलएस) पंखे। स्वच्छता एवं जलः 652 वर्ग मीटर में निर्मित एक समर्पित शौचालय ब्लॉक, साथ ही आरओ आधारित पेयजल। सूचना एवं सुरक्षाः 24 स्पीकरों के साथ एक यात्री घोषणा प्रणाली, तीन एलईडी इलेक्ट्रॉनिक ट्रेन सूचना डिस्प्ले, और आधुनिक अग्निशमन प्रणाली की 7 इकाइयां। सुरक्षाः 18 सीसीटीवी कैमरे, 5 सामान स्कैनर और 5 डोर फ्रेम मेटल डिटेक्टर (डीएफएमडी) सहित अत्याधुनिक सुरक्षा उपाय। उत्तर रेलवे ने निर्माण के दौरान कई जटिल चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना किया, जिनमें एटीएम, दिल्ली पुलिस केबिन और होर्डिंग बोर्ड जैसी मौजूदा संरचनाओं को आवश्यक रूप से खत?म करना और स्थान परिवर्तन करना शामिल था। इसके अलावा, पानी की लाइनों, जल निकासी प्रणालियों और ओएफसी केबलों जैसी आवश्यक उपयोगिताओं का संवेदनशील स्थानांतरण और दैनिक कार्यों में बिना किसी रुकावट के पूरा किया गया। साथ ही, फुट ओवर ब्रिज 1 (एफओबी 1) के विस्तार के साथ एक आवश्यक बुनियादी ढाँचे को पूरा किया गया। इस विस्तार से यह सुनिश्चित होता है कि नई दिल्ली मेट्रो स्टेशन पर ट्रेन से उतरने वाले यात्री अब सीधे मेट्रो स्टेशन की ओर जा सकें, जिससे मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी में उल्लेखनीय सुधार होगा और प्लेटफॉर्म पर भीड़ कम होगी। केंद्रीय मंत्री के साथ रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री सतीश कुमार, उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक श्री अशोक कुमार वर्मा और अन्य वरिष्ठ रेलवे अधिकारी मौजूद थे, जिन्होंने इस सुविधा की योजना और कार्यान्वयन पर विस्तार से जानकारी दी। इस निरीक्षण ने महत्वपूर्ण बुनियादी ढाँचे के आधुनिकीकरण और यात्रियों के लिए विश्वस्तरीय सुविधाएँ सुनिश्चित करने के लिए रेल मंत्रालय की प्रतिबद्धता को दशार्या।

थरवई में आबकारी विभाग की दबिश, 45 लीटर कच्ची शराब बरामद, 450 किलो लहन नष्ट

थरवई (प्रयागराज)। अवैध शराब के निर्माण और बिक्री पर अंकुश लगाने के लिए आबकारी विभाग ने शनिवार को विशेष अभियान चलाया।अभियान के तहत थरवई के बहमलपुर में दबिश दी गई। दबिश के दौरान टीम ने 45 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद की, वहीं लगभग 450 किलो लहन को मौके पर नष्ट कर दिया गया।

छात्रा सैमी यादव एक दिन की बनीं एसीपी, मिशन शक्ति फेज पांच के तहत संभाली कमान

थरवई। सशक्त नारी, समृद्ध प्रदेश की भावना को साकार करते हुए शुक्रवार को स्वामी विवेकानंद विद्याश्रम सीनियर सेकेंडरी स्कूल थरवई

की कक्षा 12 की छात्रा सैमी यादव ने एक दिन के लिए एसीपी थरवई का पद संभाला। मिशन शक्ति फेज-5 के तहत आयोजित इस कार्यक्रम में छात्रा ने थरवई थाना क्षेत्र में आने वाले फरियादियों की समस्याएं सुनीं और उनके निस्तारण हेतु आवश्यक निर्देश दिए।कार्यक्रम का उद्देश्य बेटियों में आत्मविश्वास जगाना और उन्हें नेतृत्व की जिम्मेदारी का अनुभव कराना था। इस दौरान एसीपी थरवई चंद्रपाल सिंह ने कहा कि बेटियां किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं हैं। उन्हें अवसर और विश्वास मिले तो वे हर पद की गरिमा निभा सकती हैं। उन्होंने बताया कि मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत बालिकाओं और महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन को लेकर लगातार जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।स्कूल के प्रधानाचार्य दिनेश कुमार पांडेय, आशुतोष पांडेयविद्यालय की तमाम शिक्षिकाएं मौजूद रही

महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण स्वावलंबन के सम्बन्ध में जागरुक किया जा रहा है

महिलाओं को विभिन्न उपयोगों हेल्पलाइन नंबरों, शासन द्वारा संचालित कल्याणकारी योजनाओं जनपद के समस्त थानों पर स्थापित मिशन

शक्ति केंद्र व कानूनी प्रावधानों की जानकारी देकर पंपलेट वितरित किया जा रहा उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान व स्वावलम्बन हेतु चलाए जा रहे मिशन शक्ति फेज-5.0 के तहत अभिमन्यु मांगलिक पुलिस अधीक्षक जनपद भदोही के निर्देशन में एवं शुभम अग्रवाल अपर पुलिस अधीक्षक जनपद भदोही के पर्यवेक्षण में समस्त थानों पर तैनात महिला पुलिस कर्मियों/ मिशन शक्ति टीम के द्वारा अपने-अपने क्षेत्र अंतर्गत विद्यालयों, प्रमुख बाजारों, कस्बा, चौराहों, धार्मिक स्थलों तथा अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर जाकर महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण स्वावलंबन के सम्बन्ध में जागरुक किया जा रहा है। इसी क्रम में जनपद के समस्त थाना क्षेत्र अंतर्गत बालिकाओं व महिलाओं को आत्मरक्षा, गुड टच / बैड टच तथा उनके अधिकारों व महिला सम्बन्धी अपराधों से बचाव हेतु जागरुक किया गया । महिलाओं / बालिकाओं को बताया गया कि बस/रास्तों/सार्वजनिक स्थल में मनचलों एवं शोहदों द्वारा छेडखानी की घटना होने पर डरने के बजाय तत्काल हेल्पलाइन नंबर 1090 व थाना पर जाकर तत्काल एफ0आई0आर0 के लिए जागरुक किया गया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म (व्हाट्सएप, ट्विटर, फेसबुक, इन्स्टाग्राम आदि) का सावधानी से उपयोग करने एवं जागरुक करने हेतु संबंधित को आवश्यक आदेश एवं निदेर्शों के सम्बन्ध में जानकारी दी गई । महिला एवं बालिकाओं को यातायात नियमों के बारे में अवगत कराया गया व स्वयं नियमें का पालन करते हुए अपने घर व आसपास के लोगों का भी जागरुक करने के लिए कहा गया । उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा महिला सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों 1076 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, 1090 वीमेन पावर लाइन , 181 वीमेन हैल्पलाइन , 112 पुलिस आपातकालीन सेवा , 102 गर्भवती महिलाओं एवं नवजात शिशुओं के लिए एम्बुलेंस हेल्पलाइन, 108 एम्बुलेंस सेवा, 1098 चाइल्ड लाइन, 101 अग्निशमन सेवा व 1930 साइवर हेल्पलाइन के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी दी गई।

भदोही-मिजार्पुर और वाराणसी देश के प्रमुख कारपेट क्लस्टर : योगी

भदोही,। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार कालीन

नगरी भदोही में 49वें इंडिया कारपेट एक्सपो का उद्घाटन फीता काट कर किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि भदोही, मिजार्पुर और वाराणसी देश के प्रमुख कारपेट क्लस्टर हैं। जिन्होंने न केवल उत्तर प्रदेश बल्कि पूरे देश को वैश्विक पहचान दिलाई है। कालीन उद्योग लाखों परिवारों की आजीविका का आधार है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसे प्रोत्साहित करने के लिए इंडिया एक्सपो मार्ट की स्थापना कराई। इसका उद्देश्य था कि यहां के बुनकरों को विश्व बाजार से सीधा जोड़ने का अवसर मिले। चार दिवसीय यह आयोजन 11 से 14 अक्टूबर तक कारपेट एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल (CEPC) के तत्वावधान में इंडिया एक्सपो मार्ट परिसर में शुरू हुआ है। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने बुनकरों और उद्यमियों से संवाद किया। उनकी समस्याएँ जानीं और केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं के लाभ से उन्हें अवगत कराया। उन्होंने बताया कि पिछले चार वर्षों से लगातार आयोजित हो रहे इस आयोजन ने हैंडमेड कालीनों के वैश्विक व्यापार में उत्तर प्रदेश को नई पहचान दिलाई है। अब विदेशी खरीदार सीधे भदोही आते हैं, यहीं के बुनकरों से संवाद करते हैं और यहीं से निर्यात के अनुबंध संपन्न होते हैं यह भदोही के गौरव की बात है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार परंपरागत उद्योगों को पुनर्जीवित करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

स्वस्थ नारी सशक्त परिवार स्वस्थ भारत की नींव - डॉ जी एस तोमर

झूँसी, प्रयागराजः आरोग्य भारती एवं डॉ प्रीति हॉस्पिटल के संयुक्त तत्वावधान में प्रवेक कल्प के सौजन्य से ह्लस्वस्थ नारी सशक्त परिवारह्व अभियान के अन्तर्गत डॉ प्रीति हॉस्पिटल, झूँसी में ह्लस्त्री स्वास्थ्य एवं सुपोषणह्व विषय पर शनिवार 11 अक्टूबर को एक वैज्ञानिक संगोष्ठी का आयोजन किया गया । जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में जी बी पंत की डायरेक्टर डॉ अर्चना सिंह जी उपस्थित रहीं । विशिष्ट अतिथि के रूप में मोतीलाल नेहरु मेडिकल कॉलेज के पूर्व शोध अधिकारी डॉ शांति चौधरी एवं त्रिवेणीपुरम् विकास एवं कल्याण समिति की सचिव पर्यावरणविद् डॉ निर्मला तोमर ने प्रतिभाग किया । कार्यक्रम के प्रारंभ में अमित त्रिपाठी ने अतिथियों का स्वागत एवं अभिनंदन किया ।संगोष्ठी की अध्यक्षता प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ प्रीति त्रिपाठी ने की । अतिथि वक्ताओं में रोटेरियन

श्रीमती गीतिका अष्ठाना ने ह्लसृजनात्मकता एवं स्वास्थ्यह्व विषय पर अपना उद्बोधन दिया एवं अपनी काव्य रचना को प्रस्तुत किया । उन्होंने बताया कि पारिवारिक दायित्व के साथ साथ हमें अपनी हॉबी को हमेशा जीवंत रखना चाहिए । कविता, गायन एवं नृत्य न केवल मन को प्रसन्नता

एवं सकारात्मकता से भरते हैं अपितु सम्पूर्ण स्वास्थ्य को भी समुन्नत करते हैं । श्रीमती मोक्षदा सिंह ने शिक्षा के महत्व को रेखांकित करते हुए बताया कि शिक्षा केवल नौकरी नहीं स्वावलंबन के दरवाजे भी खोलती है । वनस्थली विद्यापीठ जैसे प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय से एमबीए की डिग्री लेने के बाद मैंने अपनी अभिरुचि को हमेशा जीवित रखा । यही कारण है कि मैंने मुम्बई से अपनी नौकरी छोड़ कर पारिवारिक दायित्वों के निर्वहन के साथ साथ ह्लक्रस्ट क्लाउड किचनह्व का प्रारम्भ किया । पारम्परिक आहार में नवाचारह्व विषय पर अपने अनुभव साझा करते हुए उन्होंने बताया कि पिज्जा, नूडल्स, पास्ता एवं बर्गर जैसे पाश्चात्य खाद्यान्नों की तरफ बढ़ रहे नई पीढ़ी के झुकाव को देखते हुए हमें नवाचार के माध्यम से शुद्धता एवं गुणवत्ता से अपनी पारंपरिक आहार संस्कृति में बदलाव लाने की जरूरत है । शुद्धता एवं पौष्टिकता को आधार बनाकर नवाचार के माध्यम से स्वदेशी एवं पारम्परिक आहार व्यवस्था को पुनर्स्थापित करना हमारा दायित्व है । विशिष्ट अतिथि डॉ निर्मला तोमर ने अपने व्यक्तिगत जीवन में लिए गए दृढ़ संकल्प के माध्यम से कूड़े के अम्बार से पटे हुए पार्क को सुंदर ग्रीन पार्क में तब्दील करने की कहानी को आकर्षक ढंग से प्रस्तुत किया । उन्होंने बताया कि हर काम सरकार के भरोसे न छोड़कर हमें अपनी संकल्प शक्ति से भी काम लेना होगा । डॉ निर्मला ने बताया कि प्रतिष्ठित अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल में प्रकाशित शोध के अनुसार हरे भरे पार्क के एक किलोमीटर की परिधि में रहनेवालों को एंग्जाइटी तथा डिप्रेशन जैसे मनोरोग नहीं होते ।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 2047 तक विकसित भारत के सपने को साकार करने के लिए उन्होंने सामाजिक समरसता, कुटुम्ब प्रबोधन, पर्यावरण संरक्षण, स्वदेशी भाव तथा नागरिक कर्तव्य जैसे पंच परिवर्तनों की आवश्यकता पर बल दिया । उन्होंने कहा कि वृक्ष लगाने के साथ साथ उनका संरक्षण बहुत जरूरी है । निरंतर बढ़ते हुए पर्यावरण प्रदूषण पर चिंता व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि दस पुत्रों से अधिक एक वृक्ष का महत्व है । अतः हम जो प्रकृति से लेते हैं बदले में कम से कम दस वृक्ष लगाना हम सबका दायित्व होना चाहिए । कुछ सक्सेज स्टोरीज का ज़िक्र करते हुए उन्होंने इस संकल्पना को प्रमाणित किया । बतौर विशिष्ट अतिथि डॉ शांति चौधरी ने कहा एक महिला को स्वास्थ्य की जानकारी देना पूरे परिवार के स्वास्थ्य की गारंटी है । मोतीलाल नेहरु मेडिकल कॉलेज के सेवा काल मे मैंने इसे प्रत्यक्ष अनुभव किया है । मुख्य अतिथि डॉ अर्चना सिंह ने सामाजिक समरसता एवं महिलाओं की वैचारिक स्वतंत्रता को किसी भी समाज की उन्नति का आधार बताया । उन्होंने कहा हमें आखिरी छोर पर खड़ी उस नारी के स्वास्थ्य तक परियोजनाओं को पहुंचाना है तभी समग्र विकास संभव है ।

संदिग्ध परिस्थितियों में लगी आग से कई झोपड़ियां जलकर राख

चौरी थाना क्षेत्र के चक्र भूमिधर ग्राम सभा स्थित बनवासी बस्ती में बीती रात संदिग्ध परिस्थितियों में आग लगने से कई झोपड़ियां जलकर राख हो गईं। जानकारी के अनुसार, रात करीब 12 से 1 बजे के बीच अचानक सुदामा देवी, रामलाल, वीरेंद्र, छोटेलाल, जमुना, दिनेश और इंद्रावती की झोपड़ियों में आग भड़क उठी। आग की लपटें देखकर ग्रामीणों में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने तत्काल दमकल विभाग और चौरी पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम और पुलिस मौके पर पहुंची तथा कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। ग्रामीणों का आरोप है कि किसी शरारती तत्व द्वारा जानबूझकर आग लगाई गई है, जिससे बस्ती में दहशत का माहौल है। इस घटना को लेकर ग्रामीण तरह-तरह की आशंकाएं जता रहे हैं। फिलहाल पीड़ितों की ओर से चौरी पुलिस को तहरीर सौंप दी गई है और पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। बताया जा रहा है कि आज भदोही जिले में मुख्यमंत्री का आगमन प्रस्तावित है, और दौरे से ठीक पहले इस तरह की घटना होने से प्रशासन भी सतर्क हो गया है।

लखनऊ जं. स्टेशन पर वाटर बूथ की सफाई करते हुए सफाईमित्र

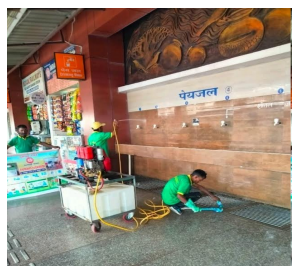

गोरखपुर,: भारतीय रेल पर 01 से 15 अक्टूबर, 2025 तक मनाये जा रहे स्वच्छता पखवाड़ा-2025 के ग्यारहवें दिन 11 अक्टूबर, 2025 को स्वच्छ नीर (क्लीन वाटर) थीम के अन्तर्गत मुख्यालय गोरखपुर, लखनऊ, वाराणसी एवं इज्जतनगर मंडल के प्रमुख स्टेशनों पर क्लीन वाटर डे मनया गया। इस दौरान अभियान चलाकर निरीक्षकों द्वारा स्टेशनों, कार्यालयों, रेलवे परिसरों में वाटर बूथ के साथ ही आवासीय कालोनियों में नलों की साफ-सफाई कराई गई एवं पानी शुद्वता की जाँच की गई। 11 अक्टूबर, 2025 को लखनऊ मंडल के प्रमुख स्टेशनों, कार्यालयों, अस्पतालों, स्वास्थ इकाइयों एवं रेलवे कालोनियों, रेलवे स्कूलों में वाटर बूथ, वाटर कूलर, नलों की सफाई की गई तथा निरीक्षकों द्वारा पानी की शुद्वता की जाँच की गई। इस दौरान वाटर ट्रीटमेंट प्लांट, वाटर टैंक की भी सफाई करायी गई। अनुबंध कर्मचारियों एवं रेलकर्मियों द्वारा स्वच्छता स्लोगन के बैनर, पोस्टर के साथ एक जागरूकता रैली निकालकर लोगों को जागरूक किया गया। वाराणसी मंडल के आजमगढ़, वाराणसी सिटी, बनारस, बलिया, भटनी, बेलथरा रोड, छपरा, देवरिया सदर, गाजीपुर सिटी, मऊ, सुरेमनपुर, सीवान एवं प्रयागराज रामबाग स्टेशनों पर स्वच्छता अभियान चलाकर वाटर बूथ एवं रेलवे कालोनियो में नलों की सफाई की गई तथा निरीक्षकों द्वारा पानी की शुद्धता की जाँच की गई तथा 110 अनुबंध कर्मचारियों एवं रेलकर्मियों द्वारा स्वच्छता स्लोगन के बैनर, पोस्टर के साथ एक जागरूकता रैली निकालकर कर्मचारियों, यात्रियों एवं कालोनी वासियों को जागरूक किया गया तथा 150 अनुबंध कर्मचारियों एवं रेलकर्मियों द्वारा स्वच्छता स्लोगन के बैनर, पोस्टर के साथ एक जागरूकता रैली निकाली गयी। इज्जतनगर मंडल के प्रमुख स्टेशनों पर वाटर बूथ एवं वाटर प्लान्ट एवं रेलवे कालोनियों में नलों की सफाई की गई तथा सफाई मित्रों को आवश्यक सुझाव दिये गये। इस दौरान निरीक्षकों द्वारा पानी शुद्धता की जाँच की गई तथा 110 अनुबंध कर्मचारियों

मामूली विवाद में युवक ने की आत्महत्या

चौरी थाना क्षेत्र के जमुआ निवासी लालजी वनवासी के पुत्र धर्म

उर्फ ब्लू (27 वर्ष) ने बीती रात कथित रूप से मामूली विवाद के बाद अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। परिजनों के अनुसार धर्म खेती-बाड़ी का कार्य करता था। बताया जा रहा है कि देर रात वह घर से निकल गया और पसीर्पुर रेलवे स्टेशन के समीप डाउनलाइन ट्रैक पर किसी ट्रेन के सामने कूद गया। हादसे में उसकी मौके पर ही मृत्यु हो गई। घटना की सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे तथा शव की पहचान की। स्थानीय लोगों द्वारा पुलिस को सूचना दिए जाने पर चौरी थाना पुलिस भी पहुंची, लेकिन मामला जीआरपी क्षेत्राधिकार का होने के कारण शव को जीआरपी ने अपने कब्जे में लेकर आवश्यक विधिक कार्रवाई शुरू कर दी। गांव में घटना से शोक की लहर है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

सभी अधिकारियों व कर्मचारियों ने सौपे गये दायित्वों का किया समर्पित निर्वहन-जिलाधिकारी

भदोही :-विश्व प्रसिद्ध कालीन नगरी भदोही की हस्तनिर्मित कालीन की सांस्कृतिक विरासत एवं बुनाई कौशल को बढ़ावा देने के लिए कालीन निर्यात सवर्धन परिषद (सी0ई0पी0सी0) एवं जिला प्रशासन द्वारा कार्पेट एक्सपो मार्ट, कार्पेट सिटी भदोही में आयोजित चार दिवसीय (11-14 अक्टूबर) 49वें इण्डिया एक्सपो मार्ट/चौथे अन्तर्राष्ट्रीय कालीन मेला का मा0 मुख्यमंत्री उ0प्र0 योगी आदित्यनाथ जी द्वारा दिव्य व भव्य शुभारम्भ कार्यक्रम को सफल बनाने में योगदान देने वाले सभी जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों कर्मचारियों, पुलिस कर्मियो, मीडिया बन्धुओं, जनपदवासियों आयोजन पर जिलाधिकारी शैलेष कुमार व पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक ने उनका आभार व्यक्त करते हुए बधाई व धन्यवाद दिया। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक के कुशल मार्गदर्शन व पर्यवेक्षण में जनपदीय प्रशासनिक अधिकारियों की कार्यक्रम के विभिन्न स्थलों पर ड्यूटी लगाते हुए उन्हें तैनात किया गया था। जिसका सभी सम्बन्धित अधिकारियों ने बाखूबी उत्तरदायित्वों का निर्वहन किया। इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक द्वारा जनपद के पुलिस अधिकारियों व पुलिस कर्मियों के आलावॉ दूसरे जनपद के भी पुलिस अधिकारियों व पुलिस कर्मियों की ड्यूटी लगायी गई थी। सभी ने कर्तव्य परायणता के साथ आवंटित कार्यो का अनुशासनात्मक व प्रसशनीय दायित्व निभायॉ। कार्यक्रम को सफल बनाने में मुख्य विकास अधिकारी बाल गोबिन्द शुक्ल, अपर जिलाधिकारी कुंवर वीरेन्द्र मौर्य, अपर जिलाधिकारी न्यायिक विजय नारायण सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक शुभम अग्रवाल, समस्त उप जिलाधिकारी, पुलिस क्षेत्राधिकारी का विशेष योगदान सहित अन्य अधिकारियों, कर्मचारियों पुलिस कर्मियों, मीडियॉ कर्मियों, जनपदवासियों, का भी योगदान रहा।

क्षेत्राधिकारी भदोही द्वारा सुरियावा नगर में किया गया पैदल ग्रस्त

भदोही/ सुरियावा 11 सितंबर 2025 शनिवार को शासन के निर्देश

पर क्षेत्राधिकारी भदोही अशोक कुमार मिश्रा व थाना अध्यक्ष सुरियावा अजीत कुमार श्रीवास्तव के द्वारा सुरियावा नगर के विभिन्न हिस्सों में पैदल ग्रस्त कर लोगों को शांति व सुरक्षा का एहसास दिलाया तथा बताया गया की शांति व सुरक्षा भंग करने वाले अराजक तत्वों पर विशेष निगाह रखी जा रही है

अनिल अंबानी की रिलायंस पावर के अधिकारी को ईडी ने किया गिरफ्तार

मुंबई (एजेंसी)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने उद्योगपति अनिल अंबानी के रिलायंस समूह (अनिल धीरूभाई अंबानी ग्रुप) के एक शीर्ष अधिकारी को धन शोधन (मनी लॉन्ड्रिंग) से जुड़े मामले में गिरफ्तार किया है। न्यूज एजेंसी पीटीआई ने सूत्रों के हवाले से बताया कि रिलायंस पावर के मुख्य वित्तीय अधिकारी (सीएफओ) अशोक पाल को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) की धाराओं के तहत शुक्रवार को हिरासत में लिया गया। यह मामला 68 करोड़ रुपये की कथित फर्जी बैंक गारंटी जारी करने से जुड़ा हुआ है। गौरतलब है कि ईडी अनिल अंबानी समूह की कई कंपनियों से जुड़े हजारों करोड़ रुपये के बैंक धोखाधड़ी मामलों की जांच कर रही है। ईडी ने शुक्रवार रात उन्हें धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत हिरासत में लिया। शनिवार को उन्हें विशेष अदालत में पेश किया जाएगा, जहां एजेंसी रिमांड की मांग करेगी।

संक्षिप्त समाचार

सुहागिनों ने पति की लंबी आयु के लिए किया करवाचौथ व्रत

भितरवार। सुहागिन महिलाओं ने चांद को अर्घ्य देकर करवाचौथ का व्रत पूरा किया। साथ ही पूजा-अर्चना कर पति की लंबी आयु के लिए प्रार्थना की। जिन सुहागिन महिलाओं के पति नगर से बाहर थे उन्होंने वीडियो कॉल कर पति का चेहरा देखकर व्रत पूरा किया। सुहागिन महिलाओं ने सास और ननद के पैर छूकर उन्हें दान किया। वहीं पति ने अपनी पत्नी को उपहार दिए। वहीं भितरवार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र स्थित लेबर रूम एवं अन्य जगह ड्यूटी करते हुए स्टाफ नर्स ने करवाचौथ व्रत पूरा किया।

मृतक के परिजन को दी सहायता राशि

बिलौआ। नगर परिषद बिलौआ द्वारा जन कल्याण योजना (संबल योजना) के तहत वार्ड-4 बड़ा मंदिर के समीप निवासी मृतक कल्लाराम चौरसिया के पुत्र गोपाल पांच हजार रुपए की अंत्येष्टि सहायता दी गई। इस अवसर पर नगर परिषद अध्यक्ष विजयलक्ष्मी शिवराम चौरसिया, मुख्य नगर पालिका अधिकारी मोहम्मद सलीम खान, पार्षद सुनील चौरसिया, पार्षद रवींद्र चौरसिया, उपयंत्री शिवशंकर सिसोदिया, लेखापाल अरुण कुमार गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

सड़क हादसे में दंपति घायल

भितरवार। डबरा भितरवार मुख्य सड़क मार्ग स्थित घाटमपुर के पास ई रिक्शा की टक्कर से मोटर साइकिल सवार पति-पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गए। जिन्हें डायल 112 की सहायता से भितरवार सामुदायिक अस्पताल लाया गया। यहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें ग्वालियर रेफर किया गया। शुक्रवार को दोपहर के समय धर्मेंद्र 27 वर्ष पुत्र नरेंद्र अपनी पत्नी सुमन को उसके मायके से मोटर साइकिल से लेकर छीमक के पास स्थित अपने घर लेकर जा रहा था। वह घाटमपुर बस स्टैंड पहुंचे ही थे कि सामने से आ रहे ई रिक्शा चालक ने टक्कर मार दी। जिससे मोटर साइकिल सवार दंपति गंभीर रूप से घायल हो गया।

मोबाइल का चार्जर लगाते युवक को लगा करंट

भितरवार। ग्राम पवाया में घर मोबाइल का चार्जर लगाते समय 21 वर्षीय युवक को करंट लग गया। पीड़ित को परिजन एंबुलेंस की सहायता से भितरवार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे, जहां उसका उपचार किया गया। जानकारी के अनुसार अजय कुशवाह 21 वर्ष पुत्र कन्हैयालाल कुशवाह निवासी पवाया शुक्रवार को डबरा से अपना मोबाइल सही करवाकर लाया था। दोपहर के समय घर पर आकर जब मोबाइल डिस्चार्ज हो गया तो अपना मोबाइल चार्ज करते हुए बात कर रहा था। इसी दौरान गांव की डीपी में फॉल्ट होने से उसे करंट का झटका लगा।

चंसौलिया 'मां योग सम्बोधि सम्मान' से होंगे अलंकृत

ग्वालियर। वरिष्ठ साहित्यकार डॉ.अवधेश कुमार चंसौलिया को अन्तर राष्ट्रीय कादम्बरी साहित्यिक सांस्कृतिक एवं सामाजिक संस्था जबलपुर द्वारा 22 नवंबर को जबलपुर में आयोजित समारोह में 'मां योग सम्बोधि सम्मान 2025' से अलंकृत किया जाएगा। डॉ. चंसौलिया को यह सम्मान उच्च सम्मान समिति की अनुशंसा पर गीत विधा के क्षेत्र में किए गए विशिष्ट योगदान एवं शानदार उपलब्धियों के लिए दिया जा रहा है।

विजय गर्जना का विमोचन

ग्वालियर। अंतरराष्ट्रीय अभिभाषक मंच द्वारा शुक्रवार को नवीन न्यायालय हॉल में विजय गर्जना पुस्तक का विमोचन वरिष्ठ अभिभाषक एसएस सेंगर ने किया। आभार विजय सिंह चौहान ने व्यक्त किया।

मानव कुष्ठ आश्रम में दिया राशन

ग्वालियर। लायंस क्लब ग्वालियर मैत्री ने सेवा सप्ताह के अंतर्गत मानव कुष्ठ आश्रम बहोड़ापुर में एक माह के राशन का वितरण एवं दान राशि प्रदान की। इस अवसर पर नरेंद्र सिंघल, मोहित बंसल, प्रवीण गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

नागरिकों को मिलेंगी महानगरों जैसी सुविधाएं

ऊर्जा मंत्री ने विकास कार्यों का किया भूमि पूजन व लोकार्पण

■ ग्वालियर

विकास निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है और ग्वालियर तेजी से प्रगति की ओर बढ़ रहा है। आने वाले समय में शहर के नागरिकों को महानगरों जैसी सुविधाएं मिलने लगेंगी। सरकार का लक्ष्य प्रत्येक नागरिक को सुगम आवागमन, विद्युत, स्वच्छ पेयजल, सीवर, शिक्षा और स्वास्थ्य की बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना है।

यह बात ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने शुक्रवार को उपनगर ग्वालियर में 4 करोड़ 62 लाख रुपए से अधिक लागत के विभिन्न विकास कार्यों का भूमि पूजन और लोकार्पण कार्यक्रम में कही।

उन्होंने कहा कि ग्वालियर शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में नई पहचान बना रहा है। कार्यक्रम में वार्ड क्रमांक 15 में 42 लाख, वार्ड 7 में 90.20 लाख, वार्ड 16 में 1.02 करोड़, सिंधिया पार्क में 35.52 लाख, प्रगति नगर में 12.61 लाख, आनंद नगर में 67.6 लाख, वार्ड 3 में 58.89 लाख, आदर्श क्लॉथ मिल मार्ग पर 47.35 लाख और विनय नगर में 66.89 लाख रुपए के कार्यों का भूमिपूजन किया गया। इस अवसर पर पार्षद देवेन्द्र राठौर, मंजू दिग्विजय राजपूत, कृष्ण राव दीक्षित, दीपक मांझी, धारा सिंह, ब्रज मोहन शर्मा, केशव मांझी, अरविंद राय, आशीष तोमर सहित अन्य मौजूद रहे।

1.90 करोड़ के विकास कार्यों का लोकार्पण व भूमिपूजन आज

ऊर्जा मंत्री श्री तोमर 11 अक्टूबर को उपनगर ग्वालियर में 1.90 करोड़ रुपए लागत के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन करेंगे। इस अवसर पर वह आपका सेवक आपके द्वार पदयात्रा के तहत आमजन से संवाद करेंगे और जन समस्याओं का समाधान करेंगे। सुबह 10 बजे रेसकोर्स रोड स्थित कार्यालय पर मंत्री जन सुनवाई कर राज्य एवं केन्द्र सरकार की योजनाओं के तहत हितग्राहियों को प्रमाण पत्र वितरित करेंगे।

दोपहर 2 बजे वार्ड 2 झाड़ू वाला मोहल्ला में 25 लाख रुपए लागत से निर्मित संजीवनी क्लीनिक का लोकार्पण होगा। इसके बाद मंत्री पदयात्रा के प्रथम चरण में शिवनगर, घोसीपुरा, चांद मस्जिद आदि क्षेत्रों का भ्रमण करेंगे और विभिन्न पानी की टंकी, बाउंड्री व सामुदायिक भवन निर्माण कार्यों का भूमिपूजन करेंगे। सायं 7 बजे रामधुन कार्यक्रम में शामिल होने के बाद क्रेशर कॉलोनी और रामपुरी, सिंधिया नगर व दुर्गा विहार कॉलोनी में सीमेंट कांक्रीट रोड निर्माण कार्यों का लोकार्पण एवं भूमि पूजन किया जाएगा।

वार्ड 45 में सड़क निर्माण के लिए भूमिपूजन

■ ग्वालियर

कांग्रेस विधायक डॉ. सतीश सिकरवार ने वार्ड -45 के नाट्य कला मंदिर वाली गली, आबा महाराज वाली गली एवं हॉस्पीटल रोड कमल मिस्त्री वाली गली में सीसी रोड निर्माण के लिए क्षेत्रीय जनता के साथ भूमि पूजन किया। विधायक डॉ. सिकरवार ने कहा कि क्षेत्र का विकास व प्रगति मेरा लक्ष्य है। जन आकांक्षाओं को दृष्टि रखते हुए विकास कार्यों को गति देने का काम किया जा रहा है। जनता की मांग को देखते हुए भूमि पूजन किया गया है, हम क्षेत्र के समग्र विकास के लिए कृत संकल्पित हैं। इस अवसर पर एमआईसी सदस्य अवधेश कौरव, ब्लॉक अध्यक्ष अनूप शिवहरे, क्षेत्रीय पार्षद अंकित कट्ठल, पार्षद सुरेंद्र साहू, धर्मजीत चांदोरिया, मोहन दुबे, अमर वातबानी, रवि शंकर गोयल, गिरिराज चंदोरिया, धीरेंद्र जाटव, नरेश शर्मा, सुरेश प्रजापति आदि उपस्थित रहे।

वैज्ञानिक शोध पहले दिमाग में आते हैं फिर धरातल पर आते हैं : डॉ. शुक्ला

■ ग्वालियर

राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. अरविंद शुक्ला ने कहा कि विज्ञान में जितनी भी खोजें हुईं, उसकी 80 प्रतिशत खोजें गैरवैज्ञानिकों ने कीं। विज्ञान का यह कतई अर्थ नहीं कि आप साइंस जानते हों, विज्ञान का सीधा अर्थ है आपका 'कांसेप्ट क्लीयर' हो। आपके पास इनोवेशंस, आइडियाज होने चाहिए। और वो आइडियाज धरातल पर कैसे होंगे, उसके वो कार्य होते हैं लैब में फील्ड में उसको हम टैक्निकल वर्क कहते हैं। डॉ. शुक्ला ने कहा कि विज्ञान की उत्पत्ति हमेशा दिमाग से होती है। डॉ. शुक्ला आज आईकॉम सेंटर पर आयोजित सम्मान कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने मनुष्य के ज्ञान व अनुभवों से निकलने वाली रहस्यमयी चीजों पर विस्तार से प्रकाश डाला। कहा कि ब्रह्मांड में जो कुछ भी है वह सब मनुष्य के अंदर आत्मा से निकला हुआ है। आप हमारे वेद, पुराण और उपनिषद पढ़िए तो आपको पता चलेगा कि कितने ऐसे वैज्ञानिक थे, जिन्होंने सौ साल पहले सूर्य, चंद्रमा और ग्रहों की गति का वर्णन कर दिया। क्या इस छोटे से जीवनकाल में इन विशाल ग्रहों की गति को जान पाना संभव था। तो फिर ये सब कहां से आया? यह सब हमारे दिमाग से आया, अंदर की आत्मा से निकलकर आया। डॉ. शुक्ला ने कहा कि जब भी हम आत्मा को परमात्मा में विलीन कर देते हैं तो अंदर से साइंस निकलने लगता है। बाकी चीजों से दूर हटने लगते हैं। और तब वैज्ञानिकता को सिद्ध करने के लिए लैब और खेत की जरूरत पड़ती है।

गांधी और लोहिया के विचारों ने युवाओं को किया प्रेरित

आईटीएम में गांधी विचार शृंखला का दूसरा दिन

■ ग्वालियर

आईटीएम यूनिवर्सल में तीन दिवसीय गांधी विचार शृंखला-3 कार्यक्रम के दूसरे दिन विभिन्न सत्रों में वक्ताओं ने कहा कि महात्मा गांधी और राम मनोहर लोहिया के विचारों ने युवाओं को प्रेरित किया था। कार्यक्रम में डॉ. महेश शर्मा, प्रो. बोध प्रकाश, ए. रघु कुमार, चिन्मय मिश्र, पुष्पमित्र, प्रो. हिलाल अहमद, प्रो. नन्दकिशोर आचार्य, प्रो. अनन्या वाजपेयी और रमाशंकर सिंह ने अपने विचार प्रस्तुत किए।

तृतीय सत्र में अर्थशास्त्रीय चिंतन में डॉ. महेश शर्मा ने गांधी और लोहिया के आर्थिक दृष्टिकोण पर प्रकाश डाला, जबकि प्रो. बोध प्रकाश ने नेहरू की मिश्रित अर्थव्यवस्था और समानता आधारित योजनाओं का विश्लेषण किया। ए. रघु कुमार ने लोहिया के विचारों को आधुनिक आर्थिक संदर्भ में समझाया और उनकी पुस्तक लोहिया एक पुनर्पाठ का विमोचन भी किया।

चतुर्थ सत्र विश्व दृष्टि में चिन्मय मिश्र ने गांधी के प्रेम और अहिंसा के मूल्य को प्रमुखता से प्रस्तुत किया। पुष्पमित्र ने गांधी की मर्यादित और लोहिया की उन्मुक्त दृष्टि की तुलना की। प्रो. हिलाल अहमद ने नेहरू और अंबेडकर की राजनीतिक शिक्षा एवं नैतिक दृष्टि पर चर्चा की।

पांचवां सत्र सांस्कृतिक दृष्टि में रमाशंकर सिंह ने भारतीय शिल्प और सांस्कृतिक धरोहर को पश्चिमी आवेश से बचाने की आवश्यकता पर बल दिया। प्रो. नन्दकिशोर आचार्य ने संस्कृति को केवल नृत्य और गीत से नहीं, बल्कि मूल्यबोध और नैतिक चेतना का प्रतीक बताया। प्रो. अनन्या वाजपेयी ने कहा कि भारत को अपनी सांस्कृतिक और राजनीतिक जड़ें फिर से जोड़ने के लिए गांधी और नेहरू जैसे विचारकों से प्रेरणा लेनी होगी।

कार्यक्रम के दौरान सेंट्रल लाइब्रेरी में महापुरुषों की जीवनी और विचारों पर आधारित पुस्तक प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया, जिससे विद्यार्थियों को गांधी, लोहिया, नेहरू और भगत सिंह जैसी हस्तियों के जीवन और भारतीय संस्कृति से परिचय प्राप्त हुआ। इस अवसर पर आईटीएम के फाउंडर चांसलर रमाशंकर सिंह ,चांसलर रुचि सिंह, प्रो-चांसलर डॉ. दौलत सिंह चौहान, वाइस चांसलर प्रो. योगेश उपाध्याय सहित अन्य मौजूद रहे।

स्वस्थ नारी से होगा सशक्त परिवार

■ भितरवार

स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान के तहत शुक्रवार को शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भितरवार में कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें वक्ताओं ने कहा कि सशक्त परिवार के लिए नारी का स्वस्थ होना जरूरी है।

कार्यक्रम में कक्षा 9 से कक्षा 12वीं तक के विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस अवसर पर निबंध प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। जिसमें याशमीन खान ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस मौके पर महिला बाल विकास विभाग से रूचि दांगी एवं स्कूल शिक्षा विभाग से राजीव दुबे, डॉ. राजेश रावत, प्रभुदयाल बाथम, शैलेन्द्र पाठक, अमित सिंह आदि उपस्थित रहे।

कर्मचारियों ने सीखे आग से निपटने के तरीके

■ ग्वालियर

गजराराजा चिकित्सा महाविद्यालय से जुड़े सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में सुरक्षा और आपातकालीन को मजबूत बनाने के लिए शुक्रवार को फायर सेफ्टी अभियान के तहत मॉक ड्रिल ट्रेनिंग का आयोजन किया गया। जिसमें नगर निगम फायर ब्रिगेड के फायरमैन अरविंद राठौर, ओम प्रताप शर्मा, आशिक खान तथा चालक मनोज गुर्जर ने सक्रिय भूमिका निभाई। अस्पताल के फायर सेफ्टी ऑफिसर प्रशांत धाकड़ की देखरेख में 100 से अधिक चिकित्सक, नर्सिंग ऑफिसर, सुरक्षा कर्मचारी, हाउसकीपिंग स्टाफ और वार्ड बॉय ने इसमें भाग लिया।

कार्यक्रम में आग लगने की विभिन्न परिस्थितियों जैसे इलेक्ट्रिक शॉर्ट सर्किट, लिक्विड और सॉलिड मटेरियल फायर और अन्य आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने के लिए कर्मचारियों को व्यापक प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में प्राथमिकता के आधार पर मरीजों और स्वयं की सुरक्षा सुनिश्चित करना, फायर अलार्म और उपकरणों का सही उपयोग, त्वरित निकासी मार्ग की पहचान और संकट प्रबंधन के तरीके शामिल थे। सुपर स्पेशियलिटी के अधीक्षक डॉ. गिरजा शंकर गुप्ता ने कहा कि इस तरह के प्रशिक्षण कर्मचारियों को न केवल तैयार करते हैं, बल्कि मरीजों और हॉस्पिटल परिसर की सुरक्षा भी सुनिश्चित करते हैं। प्रशिक्षण में मेट्रन स्वाती चौहान, इंचार्ज श्रद्धा सिस्टर, अंजू सिस्टर, रिंकी सिस्टर, पैरामेडिकल स्टाफ, नर्सिंग सुपरवाइजर राजेश परमार, सुरक्षा व हाउसकीपिंग स्टाफ और वार्ड बॉय उपस्थित रहे।

कर्मचारियों के लंबित वेतन पर जताई नाराजगी

■ ग्वालियर

मलेरिया विभाग के कर्मचारियों के लंबित वेतन और ई फाइलों के अव्यवस्थित प्रबंधन को लेकर मप्र राज्य कर्मचारी संघ के जिलासंयोजक सुनील कुमार आर्य ने नाराजगी व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि संयुक्त संचालक सक्सेना के कार्यकाल में कार्यालय लूट का अड्डा बन गया है और महीनों तक ई फाइलें उनके पास ही बंद रहती हैं।

आर्य ने बताया कि लागू कंप्यूटर प्रणाली कर्मचारियों के लिए अभिशाप बन चुकी है। कर्मचारियों की सर्विस बुकें दो-चार महीने तक सत्यापन या रिजेक्ट होने की प्रतीक्षा में कंप्यूटर में कैद रहती हैं। हाल ही में आधा दर्जन कर्मचारियों की ई फाइलें बस्ते में बंद हैं, जिससे कर्मचारी अपने अधिकारों से वंचित हैं।

मप्र राज्य कर्मचारी संघ ने सरकार और वरिष्ठ अधिकारियों से मांग की है कि लंबित कर्मचारियों के वेतनमान शीघ्र स्वीकृत कर उन्हें मलेरिया कार्यालय भेजा जाए, ताकि कर्मचारी अपने लाभ प्राप्त कर सकें।

पागल श्वान के काटने से मासूम जख्मी

■ भितरवार

बेलगढ़ा थाना क्षेत्र के ग्राम हरसी में एक पागल श्वान ने दो वर्षीय बच्ची को काटकर गंभीर रूप से जख्मी कर दिया। परिजन उसे तत्काल भितरवार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे जहां प्राथमिक उपचार के बाद ग्वालियर रेफर किया गया। जानकारी के अनुसार 2 वर्षीय बच्ची खुशी आदिवासी पुत्र रवि आदिवासी निवासी हरसी शुक्रवार की शाम को बच्चों के साथ अपने घर के बाहर खेल रही थी। तभी अचानक एक पागल श्वान दौड़ता हुआ आया और दो बच्चों को काट लिया। जिसमें खुशी की आंख में गहरा जख्म हो गया। बच्ची की चीख पुकार सुनकर परिजन मौके पर पहुंचे ओर श्वान के चंगुल से उसे छुड़ाया।

गोंडवाना एक्सप्रेस में यात्री की मौत

मुरैना। गोंडवाना एक्सप्रेस में यात्रा के दौरान बुजुर्ग यात्री की मौत हो गई। यात्री का शुक्रवार को पोस्टमार्टम किया गया। बुजुर्ग अपने परिवार के साथ मथुरा से वापस अपने घर जा रहा था। बताया गया है कि गुरुवार की रात दिलीप नंदी उम्र 70 साल निवासी पश्चिम बंगाल हाल रायगढ़ छत्तीसगढ़ अपने परिवार के साथ मथुरा में दर्शन कर गोंडवाना एक्सप्रेस से वापस लौट रहे थे लेकिन आगरा निकलने के बाद उनकी रेल में ही तबियत खराब हो गई। इसकी सूचना रेलवे अधिकारियों को दी गई तो रेल को मुरैना में रोककर दिलीप नंदी को उतारा गया। परिजन उन्हें लेकर अस्पताल पहुंचे। जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

विधायक राठौड़ ने सुनी लोगों की समस्याएं

■ भितरवार

विधायक मोहन सिंह राठौड़ ने आदमपुर गांव में चौपाल का फीता काटकर जनसुनवाई की। इस दौरान लगभग 218 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए। जिसमें मौखिक तौर पर बिजली, पानी, सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य के अलावा सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभ से वंचित लोगों की समस्याओं का समाधान कराया। इस अवसर पर भाजपा मंडल अध्यक्ष नरेंद्र रावत, ग्वालियर ग्रामीण उपाध्यक्ष परशुराम पवैया, बीनू यादव, सरपंच राम अवतार, टिंकू राठौर, विजेंद्र पवैया, आसिफ रियाज, लेखराज यादव, उदयभान रावत, रामेश्वर रावत, नरेश जैन, लोटन रावत, अरुण राजावत आदि उपस्थित रहे।

संगीता को मिला पुलक प्रभावना अवार्ड

ग्वालियर, न.सं.। उदयपुर स्थित टाउन हॉल में राष्ट्रीय पुलक जनचेतना महिला जागृति मंच का 28वां राष्ट्रीय महाअधिवेशन आयोजित हुआ। जिसमें देशभर के 2500 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। प्रवक्ता ललित जैन ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान ग्वालियर की जैन महिला जाग्रति मंच की महानगर शाखा की अध्यक्ष संगीता जैन को पुलक प्रभावना अवार्ड से सम्मानित किया गया।

पार्षद के इस्तीफे से फिर गर्माई शिवपुरी की राजनीति, कई कतार में...

■ शिवपुरी

कुछ माह पूर्व नगर पालिका के 18 पार्षदों ने अध्यक्ष गायत्री शर्मा की कथित भ्रष्ट कार्यप्रणाली से खिन्न होकर जिलाधीश को इस्तीफे सौंपे थे, लेकिन बीते दिनों राघुराज सिंह राजू गुर्जर ने पुनः जिलाधीश को इस्तीफा सौंपकर एक बार फिर सरगर्मी बढ़ा दी है। आज सोशल मीडिया पर दो पार्षदों ने भी खुलकर लिखा है कि वे भी जिलाधीश को इस्तीफा सौंपेंगे, जिनमें वार्ड क्रमांक 17 के पार्षद राजा यादव एवं वार्ड क्रमांक 18 की पार्षद श्रीमती रीना शर्मा शामिल हैं।

पार्षद रघुराज सिंह गुर्जर उर्फ राजू गुर्जर ने इस्तीफा देने की वजह निजी कारण बताते हुए पुनः जिलाधीश कार्यालय जाकर अपना इस्तीफा सौंप दिया है।

पार्षद राजू गुर्जर ने चर्चा के दौरान बताया कि जिस दिन उन्होंने इस्तीफा दिया, उस दिन जिलाधीश कार्यालय में जिलाधीश उपस्थित नहीं थे, इसलिए आवक जावक में उन्होंने इस्तीफा देकर प्राप्ति ले ली थी। अब वे सोमवार को स्वयं जिलाधीश से उनके कार्यालय में भेंट कर अपना इस्तीफा स्वीकार करने का आग्रह करेंगे। यदि इस्तीफे की स्वीकार्यता में कोई कमी होगी, तो उसे पूरा किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि वर्तमान नगर पालिका परिषद में अध्यक्ष के नेतृत्व में अब वे कार्य करने के इच्छुक नहीं हैं। उनका कहना है कि मैं अपनी आत्मा को मारकर कैसे काम कर लूं। उन्होंने भाजपा नेतृत्व पर भी सवाल खड़े किए और कहा कि उन्हें जनअपेक्षाओं की कोई परवाह नहीं है तथा वे मनमानी पर आमादा हैं।

पार्षद राजू गुर्जर के इस्तीफे के बाद नगर पालिका की राजनीति में एक बार फिर सरगर्मी बढ़ गई है। अब कई पार्षदों ने भी पुनः इस्तीफा देने का ऐलान कर दिया है।

राजू गुर्जर ने अपना इस्तीफा देने की बात अन्य बागी पार्षदों को नहीं बताई थी। वे गुपचुप तरीके से कलेक्ट्रेट कार्यालय पहुंचे और आवक जावक शाखा में जाकर अपना इस्तीफा दे दिया। उनके इस्तीफे का खुलासा कलेक्ट्रेट कार्यालय से ही हुआ।

श्री गुर्जर ने बताया कि उन्होंने इस्तीफा अपनी आत्मा की आवाज सुनकर दिया है। इसलिए उन्होंने किसी से सलाह नहीं की, सिर्फ उनके परिवार वालों को ही यह बात पता थी। इस्तीफा देने के बाद वे राहत महसूस कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मैं जनता पर बोझ नहीं बनना चाहता, इसलिए जिलाधीश साहब से अनुरोध है कि मेरा इस्तीफा स्वीकार करें।

इस्तीफे के पत्र में राजू गुर्जर ने लिखा है कि निजी कारणों से त्यागपत्र देकर पदमुक्त होना चाहता हूं, अतः मुझे कार्यमुक्त करने की कृपा करें ताकि मैं अपने पारिवारिक दायित्वों का निर्वहन कर सकूं। उन्होंने स्वीकार किया कि मैं इस कार्यकाल में वार्ड क्रमांक 21 की जनता की सेवा नहीं कर पा रहा हूं, इसलिए मैं जनता पर बोझ नहीं बनना चाहता।

राजू गुर्जर के इस्तीफे के बाद अन्य बागी पार्षदों पर भी दबाव आ गया है, क्योंकि उक्त सभी पार्षदों ने करैरा स्थित बगीचा सरकार हनुमान मंदिर पर शपथ ली थी कि या तो वे नपाध्यक्ष गायत्री शर्मा को पद से हटा देंगे, और यदि नहीं हटा पाए तो स्वयं इस्तीफा दे देंगे। माना जाता है कि बगीचा सरकार हनुमान मंदिर पर जो कोई झूठी शपथ लेता है, उसे कुष्ठ रोग (कोढ़) का शिकार होना पड़ता है।

दो और पार्षदों ने की त्यागपत्र देने की घोषणा

राजू गुर्जर के इस्तीफे के बाद दो अन्य पार्षद राजा यादव और रानी कुलदीप शर्मा ने भी अपने पद से इस्तीफा देने की घोषणा की है। दोनों पार्षदों ने बताया कि सोमवार को वे जिलाधीश के पास जाकर विधिवत रूप से अपना इस्तीफा सौंप देंगे। पार्षद राजा यादव वार्ड क्रमांक 17 और रानी कुलदीप शर्मा वार्ड क्रमांक 18 की पार्षद हैं।

सम्पादकीय

शांति दूत बनकर घूम रहे ट्रंप ने खुद ही छेड़ दिया युद्ध

दूसरे युद्धों को खत्म कराने का दावा कर रहे डोनाल्ड ट्रंप ने अब एक नया आर्थिक युद्ध छेड़ दिया है और यह युद्ध बंदूकों का नहीं, बल्कि टैरिफ और दुर्लभ खनिजों का है। अमेरिका और चीन के बीच यह नया टैरिफ संघर्ष वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए वैसा ही झटका है, जैसा 2018-19 के व्यापार युद्ध के समय देखा गया था। ट्रंप ने घोषणा की है कि 1 नवंबर से चीन से आने वाले सभी सामानों पर 100% शुल्क लगाया जाएगा और महत्त्वपूर्ण सॉफ्टवेयर के निर्यात पर नई पाबंदियाँ लगेंगी। यह फैसला चीन के उस कदम के जवाब में आया है, जिसमें उसने दुर्लभ खनिजों के निर्यात पर नए नियंत्रण लगाए हैं। हम आपको बता दें कि यह खनिज इलेक्ट्रॉनिक्स, रक्षा और इलेक्ट्रिक वाहनों के निर्माण में अनिवार्य हैं। बीजिंग दुनिया में इन खनिजों के 90% से अधिक परिशोधन पर नियंत्रण रखता है। ट्रंप ने चीन के इस कदम को यानी शत्रुतापूर्ण आदेश बताया और कहा कि बीजिंग पूरी दुनिया को बंधक बनाने की कोशिश कर रहा है। इस नई आर्थिक जंग की घोषणा के साथ ही वैश्विक बाजारों में हड़कंप मच गया। अमेरिका का र&ढ 500 इंडेक्स 2.7% गिर गया, नैस्डैक में भी तेज गिरावट आई, जबकि निवेशक सोने की शरण में भागे। डॉलर कमजोर पड़ा और वैश्विक निवेशकों में यह आशंका फैल गई कि वॉशिंगटन और बीजिंग के बीच टैरिफ युद्ध फिर से भड़क उठा है। देखा जाये तो ट्रंप का यह फैसला केवल एक आर्थिक प्रतिक्रिया नहीं, बल्कि रणनीतिक चुनौती है। चीन ने जब दुर्लभ खनिजों पर नियंत्रण बढ़ाया, तो उसने न केवल अमेरिका, बल्कि पूरी दुनिया की औद्योगिक आपूर्ति श्रृंखला को प्रभावित किया। इन खनिजों के बिना स्मार्टफोन, मिसाइल, सेमीकंडक्टर और बैटरी बनाना असंभव है। इसलिए चीन का यह कदम भू-अर्थशास्त्र की उस रणनीति का हिस्सा है जिसमें वह अपनी प्राकृतिक संपदाओं को राजनैतिक दबाव के औजार के रूप में इस्तेमाल करता है। ट्रंप की प्रतिक्रिया उतनी ही आक्रामक है जितनी अप्रत्याशित। यह कदम न केवल बीजिंग के लिए बल्कि अमेरिका के उद्योगों के लिए भी दोहरी चुनौती बनेगा– क्योंकि दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाएँ वर्षों से एक-दूसरे में गहराई से जुड़ी हुई हैं। लेकिन ट्रंप की प्राथमिकता फिलहाल राजनीतिक लाभ और मेड इन अमेरिकाह्व की घरेलू भावना को पुनर्जीवित करना है। उधर, चीन के लिए यह विकास चिंताजनक है। चीन की अर्थव्यवस्था पहले से धीमी वृद्धि, रियल एस्टेट संकट और घटती विदेशी मांग से जूझ रही है। ऐसे में अमेरिकी बाजार पर 100% टैरिफ उसके निर्यात क्षेत्र को गंभीर चोट पहुंचाएगा। चीन अब अपने प्रभाव को अफ्रीका, लैटिन अमेरिका और एशिया के अन्य हिस्सों में बढ़ाने की कोशिश करेगा ताकि अमेरिकी दबाव को संतुलित किया जा सके। लेकिन ट्रंप के कदम का एक बड़ा असर यह होगा कि पश्चिमी कंपनियाँ चीन पर निर्भरता कम करने की दिशा में और तेजी से आगे बढ़ेंगी। अस्त्रस्त्र'ी, ळीर' और अन्य अमेरिकी कंपनियाँ पहले ही चाइना-प्लस-वन रणनीति पर काम कर रही हैं। अब यह प्रवृत्ति और तेज होगी। दूसरी ओर, भारत के लिए यह परिदृश्य संकट में अवसर की तरह है। यदि दुनिया चीन पर निर्भरता घटाना चाहती है, तो भारत एक स्वाभाविक विकल्प बन सकता है। अमेरिका और यूरोप दोनों ही ऐसे साझेदार की तलाश में हैं जो भरोसेमंद हो, राजनीतिक रूप से स्थिर हो, और तकनीकी दृष्टि से सक्षम हो। भारत के पास इस अवसर का लाभ उठाने के लिए तीन प्रमुख रास्ते हैं। पहला- भारत में भी कई दुर्लभ खनिजों के भंडार हैं, परंतु उनका परिशोधन ढांचा कमजोर है। यदि सरकार इस क्षेत्र में राष्ट्रीय रेयर अर्थ मिशन जैसे कार्यक्रम को गति दे, तो भारत वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में एक प्रमुख खिलाड़ी बन सकता है। दूसरा- ट्रंप की नीति से अमेरिकी कंपनियाँ चीन से हटकर भारत, वियतनाम और इंडोनेशिया की ओर रुख करेंगी। भारत यदि भूमि सुधार, बिजली लागत और लॉजिस्टिक दक्षता में सुधार लाता है, तो यह निवेश आकर्षित कर सकता है। तीसरा- अमेरिका और जापान के साथ सेमीकंडक्टर और एआई अनुसंधान में सहयोग भारत को नई औद्योगिक शक्ति में बदल सकता है। परंतु यह कहानी केवल अवसरों की नहीं है। ट्रंप के टैरिफ युद्ध से वैश्विक मंदी की संभावना बढ़ सकती है। अमेरिका और चीन दोनों भारत के प्रमुख व्यापारिक साझेदार हैं; किसी भी झटके से भारतीय निर्यात, आईटी सेवा और ऑटो उद्योग प्रभावित होंगे। इसके अलावा, यदि चीन दुर्लभ खनिजों के निर्यात को भारत तक सीमित करता है, तो भारत की बैटरी, मोबाइल और रक्षा विनिर्माण योजनाएँ बाधित हो सकती हैं। इसलिए भारत को केवल अवसर नहीं, बल्कि जोखिम प्रबंधन रणनीति भी तैयार करनी होगी। देखा जाये तो अमेरिका-चीन टकराव वैश्विक शक्ति-संतुलन को नए सिरे से परिभाषित कर रहा है। यह अब केवल व्यापार की लड़ाई नहीं, बल्कि प्रौद्योगिकी, संसाधन और प्रभाव क्षेत्र की प्रतिस्पर्धा बन चुका है। आने वाले वर्षों में यह संघर्ष तय करेगा कि दुनिया का औद्योगिक केंद्र एशिया में कहाँ स्थिर होगा– चीन में या उसके बाहर। भारत के पास यह अवसर है कि वह इस नए वैश्विक भूगोल में सप्लाई चेन रेजिलियंस का नेतृत्व करे।

बसपा ने फिर दिखाई ताकत, मायावती के सियासी दांव से सपा को 'तनाव'

बसपा रैली में बहिन मायावती के भतीजे आकाश आनंद की लॉन्चिंग के साथ-साथ मायावती के सबसे करीबी माने जाने वाले नेता सतीशचंद्र मिश्रा के बेटे कपिल मिश्रा की भी लॉन्चिंग हो गई है। मायावती ने उनके कामकाज की प्रशंसा भी की। उत्तर प्रदेश में आगामी

पंचायत चुनाव से लेकर वर्ष 2027 के विधानसभा चुनावों तक की चहल-पहल दिखने लगी है। इसी क्रम में बसपा सुप्रीमो बहिन मायावती ने मान्यवर कांशीराम की पुण्यतिथि के अवसर पर शक्ति प्रदर्शन करते हुए कई राजनैतिक संदेश दिए। बहिन मायावती ने अपनी जनसभा में एक ओर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सराहना करके राजनैतिक विश्लेषकों को हैरान किया तो दूसरी ओर अगले विधानसभा चुनावों में बिना किसी गठबंधन के उतरने की घोषणा भी कर दी है। बसपा के शक्ति प्रदर्शन को देखकर अनुमान लगाया जा रहा है कि आगामी विधानसभा चुनावों में बसपा की बढती ताकत से समाजवादी पार्टी को नुकसान होने जा रहा है। बहिन मायावती ने न केवल यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्रशंसा की अपितु यह भी कहा कि यदि आत्मनिर्भर भारत और स्वदेशी जुमला न साबित हुआ तो वह पूरी तरह से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ खड़ी होंगी। बहिन मायावती अपनी 2007 की रणनीति को अपनाते हुए पुनः सामाजिक न्याय को आधार बनाकर ही चुनावी मैदान में उतरेंगी ऐसा संकेत उनकी रैली से मिलता है। उन्होंने अपनी रैली मे भीड़ जुटा कर यह संदेश दे दिया है कि उनका कोर वोटबैंक जाटव व दलित अभी भी उनके साथ है, भले ही इस समय उनके पास विधानसभा में केवल एक विधायक और मात्र 9 प्रतिशत वोट है। बहिन मायावती अपनी रैली में भाजपा के प्रति नरम व सपा तथा कांग्रेस के प्रति गरम दिखाई पड़ीं। उन्होंने अपनी रैली में कांग्रेस व सपा पर जमकर हमला बोलते हुए कहा कि कांग्रेस संविधान पर नाटकबाजी कर रही है। कांग्रेस ने देश पर आपातकाल लगाकर बाबा साहब के बनाए संविधान का अपमान किया था। कांग्रेस ने बाबा साहब का कभी भी सम्मान नहीं किया।उन्होंने केंद्र सरकार में रहने पर उन्हें आयकर और सीबीआई की जांच में फंसाने की कोशिश की ताकि डा. आंबेडकर और कांशीराम के कारवां को रोका जा सके। अब उसी कांग्रेस के लोग संविधान की प्रति हाथ में लेकर नाटकबाजी कर रहे हैं। सपा पर तीखा हमला बोलते हुए बहिन मायावती ने कहा कि सपा की सराकर में दलितों व पिछड़ों का सर्वाधिक उत्पीड़न हुआ। उन्होंने सपा सरकार की अराजकता पर हमला किया। बसपा रैली में बहिन मायावती के भतीजे आकाश आनंद की लॉन्चिंग के साथ-साथ मायावती के सबसे करीबी माने जाने वाले नेता सतीशचंद्र मिश्रा के बेटे कपिल मिश्रा की भी लॉन्चिंग हो गई है। मायावती ने उनके कामकाज की प्रशंसा भी की। जातीय समीकरण साधने के लिए सतीशचंद्र मिश्र के अलावा उमाशंकर सिंह को भी मंच पर जगह दी गई। प्रशंसनीय बात है कि इस रैली की तैयारी बहिन मायावती और उनके कार्यकर्ता बहुत ही शांत व अनुशासित तरीके से कर रहे थे। बसपा व बहिन मायावती अपने वोटर्स के मध्य बहुत समझदारी के साथ संपर्क बनाती हैं और यही कारण है कि उनका वोटबैंक काफी सीमा तक सुरक्षित रहा है; यद्यपि 2017 के बाद जाटव मतदाता में सेंघ लग चुकी है जिसे फिर से भरोसा दिलाकर वापस लाना बहिन जी के लिए एक कठिन चुनौती है। लंबे समय से बहिन जी का नाम तथा आवाज केंद्रीय राजनीति से दूर रहने के कारण दलित राजनीति में चंद्रशेखर रावण जैसे लोगों का उभार हुआ है जो बसपा के परम्परागत वोटबैक पर दावा ठोंक रहे हैं। बसपा सुप्रीमो ने भले ही जोर देकर कहा है कि आगामी चुनावों में प्रदेश में बसपा की सरकार बनाने के लिए पूरी ताकत लगा दी जाएगी किंतु यह फिलहाल संभव नहीं प्रतीत हो रहा हें क्योकि बसपा का जो राजनैतिक समीकरण हे उस आधार पर उन्हें सत्ता प्राप्त करने के लिए कम कम के कम 30 प्रतिशत मतों की आवश्यकता होगी और वह अभी मात्र 9 प्रतिशत ही है। प्रदेश की वर्तमान परिस्थितियों में बसपा कार्यकताओं की धरातल पर कड़ी मेहनत के बाद यह मत प्रतिशत 15-20 पहुँच सकता है। बहिन जी ने खुले मंच से जिस प्रकार से योगी जी की प्रशंसा की वह बसपा के लिए नुकसानदायक भी हो सकता है क्योंकि संभव है इससे प्रदेश का मुस्लिम मतदाता सपा गठबंधन के साथ जाना पसंद करे। भले ही बसपा नेत्री मायावती का 2027 में अपने बलबूते पर सरकार में आने का दावा अतिशयोक्ति हो किन्तु इससे 2027 में सपा-बसपा गठबंधन की चचाओं को विराम लग गया है। साथ ही बहिन जी के दावे से सपा गठबंधन के लिए गहरा तनाव और भाजपा के लिए राहत की सूचना आ गई है।

शिक्षा, भाषा और संस्कृति देश की समृद्धि का पैमाना, वैश्विक समन्वय की आधारशिला

संजीव ठाकुर

शिक्षा सदैव समाज, संस्कृति और सभ्यताओं के साथ परिवर्तनशील और प्रगतिशील रही है। यह न केवल व्यक्तिगत उन्नति का माध्यम है, बल्कि समाज और राष्ट्र के विकास की आधारशिला भी है। शिक्षा, ज्ञान, कला, साहित्य और संस्कृति को देश-विदेश की सीमाओं में बाँधना संभव नहीं है। यह असीमित भंडार है, जिसमें आकाशीय ऊँचाइयाँ भी शामिल हैं। न केवल इसकी गहराई को नापा जा सकता है, न ही इसकी ऊँचाई को देखा जा सकता है। शिक्षा और ज्ञान की यह विशालता मानव जीवन में अनंत संभावनाओं के द्वार खोलती है। पूर्वी सभ्यता, विशेषकर भारतीय परंपरा, जहाँ अध्यात्म, वेद, पुराण और योग पर आधारित है, वहाँ पश्चिमी सभ्यता विज्ञान, तकनीकी नवाचार और अनछुई रहस्यमय खोजों पर आधारित है। इन दोनों सभ्यताओं ने अपने-अपने क्षेत्र में मानव जीवन को बदलने वाले अनमोल योगदान दिए हैं। उदाहरण स्वरूप, पश्चिमी विज्ञान ने मानव को चंद्रमा पर पहुँचने का अवसर दिया और आधुनिक तकनीक जैसे हवाई जहाज, इंजन, रेडियो और डिजिटल तकनीक से जीवन को सरल और उन्नत बनाया। वहीं, भारतीय ज्ञान और दर्शन ने योग, आयुर्वेद, ध्यान और जीवन मूल्यों के माध्यम से मानव जीवन में शांति, संतुलन और आत्मसाक्षात्कार की दिशा प्रदान की। इस प्रकार शिक्षा, भाषा और ज्ञान ने पूर्व और पश्चिम के बीच समन्वय स्थापित किया। पश्चिम ने भारतीय दर्शन, आयुर्वेद और योग को अपनाकर अपनी जीवनशैली में संतुलन पाया, और भारत ने पश्चिम के विज्ञान और तकनीकी ज्ञान को अपनाकर विकास की नई ऊँचाइयों को छुआ। शिक्षा और भाषा सदैव अज्ञानता के तमस में प्रकाश की तरह कार्य करती रही है। यह नवजीवन की विकास धारा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है और समाज में सतत प्रगति का मार्ग प्रशस्त करती है। भारतीय संस्कृति और दर्शन में जैन, बौद्ध, नव्य वेदांत और आधुनिक चिंतन ने समाज में नवयुग की कल्पना को साकार किया। वहीं पश्चिम के दार्शनिक और चिंतक जैसे प्लूटो, अरस्तु, सुकरात, कार्ल मार्क्स और लेनिन ने सामाजिक और राजनीतिक विकास के सिद्धांत प्रतिपादित किए, जिन्हें पूरी दुनिया ने अपनाया। इस प्रकार, दोनों सभ्यताओं में ज्ञान और विचारों का आदान-प्रदान निरंतर जारी रहा। भारतीय समाज में हमेशा सुधार और नवीन युक्तियों को अपनाने की क्षमता रही है। स्वतंत्रता पूर्व और स्वतंत्रता पश्चात राजनीति और समाज में हुए परिवर्तन इसका सजीव उदाहरण हैं। उदाहरण के लिए, गांधीजी ने सत्याग्रह और अहिंसा के माध्यम से सामाजिक परिवर्तन को साकार किया, जबकि जवाहरलाल नेहरू ने विज्ञान और तकनीक के माध्यम से आधुनिक भारत की नींव रखी। सुभाष चंद्र बोस और बाल गंगाधर तिलक ने स्वतंत्रता संग्राम में नई ऊर्जा और दिशा प्रदान की। इन सबके प्रयासों ने भारत को विश्व पटल पर एक नया स्वरूप और पहचान दी। पाश्चात्य ज्ञान ने हमें अपने आडंबर, अंधविश्वास और रूढ़िवादिता पर विजय पाने में मदद की। उदाहरण के लिए, वास्तु, जन्मकुंडली और अंधविश्वास से जुड़े कई प्रचलित विश्वासों को आधुनिक विज्ञान और शिक्षा के माध्यम से समाज से दूर किया जा सका। यह स्पष्ट करता है कि शिक्षा और ज्ञान समाज में समग्र सुधार और नवप्रवर्तन के लिए कितने महत्वपूर्ण हैं। हमारे दैनिक जीवन में भी शिक्षा, भाषा और ज्ञान हमें यह एहसास कराते हैं कि हम अभी भी कितने पीछे हैं और कितनी दूर तक सीखने की आवश्यकता है। ज्ञान का कोई अंतिम स्त्रोत नहीं होताय यह एक ऐसा समृद्ध भंडार है, जिसमें जितना भी सीखना संभव है, वह निरंतर बढ़ता रहता है। अतः हमें सदैव प्रयासरत रहना चाहिए कि हम पल-पल कुछ नया सीखेंकृहर व्यक्ति, हर समाज, और हर सभ्यता से। शिक्षा, भाषा और ज्ञान ही हमें समृद्ध, विकसित और परिवर्तनशील बनाते हैं। परिवर्तनशील जीवन ही नई ऊर्जा, आशा और विकास की नींव रखता है। इस दृष्टि से देखा जाए तो हर मानव, हर समाज और हर राष्ट्र के लिए सीखने, अपनाने और नवाचार करने की प्रक्रिया कभी समाप्त नहीं होती। यही कारण है कि शिक्षा और ज्ञान न केवल व्यक्तिगत उन्नति बल्कि समग्र मानवता के विकास के लिए अनिवार्य हैं।

बिहार का चुनावी चक्रव्यूह, कौन उभरेगा चाणक्य बनकर

पूनम आई. कौशिश

बिहार विधानसभा चुनावों की उलटी गिनती शुरू हो गई है। इन चुनावों में राज्य के 7.4 करोड़ मतदाता यह निर्णय करेंगे कि 243 विधायकों में से 14 नवम्बर को राज्य के राजसिंहासन पर कौन बैठेगा। जहां भाजपा नीत राजग जद (यू) के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में पुनरू सत्ता में आने के लिए चुनाव लड़ रहा है, तो राजद-कांग्रेस का महागठबंधन सत्तारूढ़ गठबंधन को सत्ताच्युत करने का प्रयास कर रहा है। क्या प्रशान्त किशोर की नई जन सुराज पार्टी रंग में भंग डालने का कार्य करेगी? जद (यू) के एक वरिष्ठ नेता ने स्पष्ट रूप से स्वीकार किया है कि विकास के लिए वोट कम से कम बिहार में कुछ भी नहीं है। कल तक यह माना जा रहा था कि 74 वर्षीय नीतीश कुमार 5वीं बार मुख्यमंत्री का पद संभालेंगे, किंतु आज लगता है उन्हें अपनी सत्ता बचाने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है और भाग्य उनके साथ रहा तो वह शायद अपनी सत्ता बचाने में सफल रहेंगे। दो दशकों तक सत्ता में रहने के बाद अब उनमें आरंभिक वर्षों की ताजगी नहीं दिखाई देती। उन्हें स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं हैं। पार्टी में दूसरी पंक्ति के नेता नहीं हैं। राज्य में जेन नैक्स्ट एक नई कहानी लिखने के लिए तैयार है। राज्य के मतदाता यह भूल गए हैं कि जद (यू) ने राज्य में कानून-व्यवस्था स्थापित की, अनेक कल्याणकारी योजनाएं शुरू कीं, महिलाओं और महा दलितों को अधिकार सम्पन्न बनाया, सड़कों का निर्माण किया, ग्रामीण क्षेत्रों में निरूशुल्क बिजली और पेयजल

उपलब्ध कराया, रोजगार के अवसरों का वायदा किया। नीतीश इन मुद्दों का लाभ पहले ही चार चुनावों में उठा चुके हैं। राज्य में अनुसूचित जातियों और पिछड़ी जातियों में असंतोष है और उन्हें लगता है कि उन्हें पर्याप्त शक्तियां नहीं दी गईं। राज्य में बदलाव की मांग हो रही है और कुछ लोग यह मानते हैं कि नीतीश अब निर्णय लेने में सक्षम नहीं हैं। किंतु अभी सब कुछ समाप्त नहीं हुआ। राज्य में अभी भी उनका कोई विकल्प नहीं है। नीतीश के साथ जो लोग इस समय दिखाई दे रहे हैं उनमें अधिकतर उच्च जाति के लोग हैं जिनकी निष्ठा मोदी के साथ है। यह सच है कि भाजपा को आशा है कि वह इस रिक्ति को भरेगी किंतु राह इतनी आसान नहीं है। यह राज्य में मुख्यतरू उच्च जातियों की पार्टी बनी हुई है और पार्टी 10 प्रतिशत मतों पर निर्भर है। विडम्बना देखिए कि कांग्रेस की हाईकमान की संस्कृति अब भाजपा में भी आने लगी है जो सत्ता और सत्ता के लाभों की अभ्यस्त हो गई है। इसके अलावा अनेक दल-बदलुओं को पार्टी में शामिल करने से लगता है पार्टी का वातावरण प्रदूषित हो रहा है और हिन्दुत्व का मुद्दा भी समस्याएं पैदा कर रहा है। पसमांदा सहित मुस्लिम लोग पार्टी से दूर हो रहे हैं, जबकि भाजपा का सहयोगी बने रहने के बावजूद नीतीश उनका विश्वास जीतने में सफल हुए। चुनावी पंडितों का कहना है कि जद (यू) मुख्यमंत्री की रेटिंग 35 से 40 प्रतिशत है और भगवा ब्रिगेड के लिए यह उचित समय है कि वह आगे बढ़े और अपना भविष्य तलाशे। लगभग 30 वर्षों पहले, जब मंडल राजनीति में छाया हुआ था, तो भाजपा ने मंडल इको सिस्टम में वैधता प्राप्त करने के लिए नीतीश का उपयोग किया किंतु मोदी और शाह महसूस करते हैं कि हिन्दुत्व बिग्रेड के लिए उनकी उपयोगिता नहीं रह गई और इसीलिए भाजपा लोजपा के चिराग पासवान की पिछलग्गू बनी हुई है और उनका उपयोग जद (यू) नेताओं को निशाना बनाने के लिए करती है। निरूसंदेह भाजपा निरंतर कह रही है कि नीतीश राजग की मुख्यमंत्री की पसंद हैं, किंतु प्रधानमंत्री मोदी चौंकाने वाले कारनामे करते रहते हैं और इसीलिए शायद नीतीश कुछ घबराए हुए हैं और रैलियों में अपना धैर्य खो रहे हैं। तेजस्वी द्वारा उठाए गए मुद्दे बहस का एजेंडा तय कर रहे हैं। तेजस्वी यादव ने अपने पिता लालू से कुछ राजनीतिक युक्तियां भी सीखी हैं और नीतीश का मुकाबला कर रहे हैं। कांग्रेस बिहार में कुछ जनाधार प्राप्त करने की प्रतिष्ठा के लिए लड़ रही है। महागठबंधन में सीटों के बंटवारे को लेकर टकराव अलग स्तर तक पहुंच गया है। पार्टी 2020 के फामूर्ले के विरुद्ध अपना रुख कड़ा कर रही है, जिसके चलते कांग्रेस को 70 सीटें मिली थीं, किंतु वह केवल 19 सीटें जीत पाई थी, जिसमें से भी 2 विधायकों ने दल-बदल कर दिया था। लोक जनशक्ति पार्टी के चिराग पासवान लगता है अपने दम पर आगे बढ़ रहे हैं और दलित, जिनकी संख्या राज्य में 17 प्रतिशत से अधिक है, उनके आधार पर विपक्ष को पराजित करने का प्रयास कर रहे हैं और वे राज्य में एक गेम चेंजर साबित हो सकते हैं। तथापि राज्य में मूल मुद्दा जातिवादी राजनीति है जिसके आधार पर पार्टियां मतदाताओं की पसंद के अनुसार कार्य कराएंगी।

आखिरकार शांति

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारी दबाव व मध्यपूर्व के देशों की पहल के बाद गाजा में इस्राइल व हमास के बीच संघर्ष विराम की तसवीर उभरी है। यह कहना कठिन है कि यह समझौता कितने दिन टिकेगा क्योंकि समझौते के बाद भी इस्राइल ने गाजा के कुछ इलाकों में बमबारी की है। कहना मुश्किल है कि ट्रंप वास्तव में गाजा के लोगों को न्याय दिलाने चाहते हैं, या उनके समझौते के प्रयासों का लक्ष्य नोबेल शांति पुरस्कार पाना था। दरअसल, शांति के नोबेल पुरस्कार की घोषणा और युद्धविराम की घोषणा की तिथियां आसपास ही थीं। नोबेल शांति पुरस्कार के लिये ट्रंप जैसा उतावलापन दिखा रहे थे, उससे दुनिया की नंबर एक महाशक्ति के नायक की जगहंसाई ही हुई है। बहरहाल, गाजा में शांति स्थापना के प्रयासों का सिरे चढ़ना स्वागतयोग्य ही कहा जाएगा। हालांकि, इस समझौते के लिये ट्रंप द्वारा इस्राइल व हमास पर भारी दबाव डाला गया। दबाव में किया गया यह समझौता कितने दिन टिकेगा, कहना मुश्किल है। समझौते के बाद भी इस्राइल की बमबारी इस समझौते की दुखती रग है। वहीं हमास बीस सूत्री समझौते पर कितने दिन कायम रहता है, ये आने वाला वक्त ही बताएगा। समझौते की शर्तों में हमास का निशस्त्रीकरण करना और गाजा में उसकी प्रशासनिक दखल बंद करना भी शामिल है। कहना कठिन है कि अरब देशों के दबाव में बातचीत की टेबल पर आया हमास इन शर्तों पर कब तक कायम रह पाता है। वह समझौते की टेबल पर तब आया जब ट्रंप ने समझौता न करने पर नेस्तनाबूद करने की धमकी दे दी थी। उल्लेखनीय है कि इस्राइल और हमास के बीच दो साल से जारी संघर्ष के बीच अमेरिका ने यह शांति योजना पेश की थी। जिसे मिस्त्र में आयोजित बातचीत में हितधारकों ने अंतिम रूप दिया। जिससे इस अशांत क्षेत्र और पश्चिमी एशिया में शांति की उम्मीद हकीकत बनी। दरअसल, इस संघर्ष से न केवल गाजा बल्कि लेबनान, यमन और ईरान तक को अपनी चपेट में ले लिया था। दरअसल, यह संघर्ष दो साल पहले तब शुरू हुआ जब 7 अक्तूबर को हमास के आतंकवादियों ने इस्राइल में घुसकर कोहराम मचाया। उस हमले में बारह सौ इस्राइली व कुछ विदेशी मारे गए थे और ढाई सौ लोगों को बंधक बनाकर हमास के हमलावर गाजा ले गए थे। उसके जवाब में इस्राइल द्वारा किए गए ताबड़-तोड़ हमलों में करीब 65 हजार से अधिक फलस्तनियों के मारे जाने का दावा किया जाता है। आज गाजा भूतहा खंडहरों के शहर में तब्दील हो चुका है। लाखों लोगों को बार-बार पलायन के लिये मजबूर होना पड़ा है। विडंबना यह है कि भले ही इस्राइल ने हमास के क्रूर हमले के जवाब में सैन्य कार्रवाई की हो, मगर इन हमलों का शिकार आम फलस्तीनी नागरिकों को होना पड़ा है। मरने वालों में बड़ी संख्या बच्चों और महिलाओं की है। यहां अस्पताल से लेकर तमाम सार्वजनिक सेवाएं ध्वस्त हो चुकी हैं। संयुक्त राष्ट्र ने पुष्टि की थी कि गाजा में लोग भुखमरी के शिकार हैं क्योंकि इस्राइल ने राहत सामग्री के पहुंचने के सारे रास्ते बंद कर दिए थे। इस्राइल और अमेरिका की देखरेख में शुरू किए गए कथित राहत सामग्री वितरण कार्यक्रम में इस्राइली हमलों में हजारों फलस्तीनी मारे गए थे। कालांतर, यह लड़ाई इस्राइल व लेबनान के बीच संघर्ष में तब्दील हुई। हूती विद्रोहियों के साथ संघर्ष के बाद लड़ाई ईरान तक पहुंची। हूतियों के हमलों से समुद्री मार्ग से होने वाला वैश्विक व्यापार तक बुरी तरह प्रभावित हुआ। बहरहाल, अब जब इस्राइल व हमास संघर्ष विराम पर राजी हो गए हैं तो अब प्रयास हो कि यह शांति स्थायी हो सके। हालांकि, मौजूदा हालात में यह कहना कठिन है कि बेहद आक्रामक तेवर दिखा रहा इस्राइल भविष्य में चुप बैठेगा। हमास बीस इस्राइली बंधकों तथा मारे गए लोगों के शव लौटाने को राजी हुआ है। जिसके बदले में इस्राइल द्वारा हमास के कुछ लड़ाकों समेत हजारों फलस्तीन कैदियों को रिहा किया जाना है। कहने को तो गाजा से इस्राइली सैनिकों की वापसी की शर्त भी है, लेकिन अमेरिकी सरपरस्ती में निरंकुश व्यवहार कर रहे इस्राइल से इस मुद्दे पर आश्वस्त नहीं हुआ जा सकता है।

दक्षिण अफ्रीका की स्पिनर मलाबा को आईसीसी ने लगाई फटकार, इस गलती के कारण खाते में जोड़ा एक डिमेरिट अंक

दुबई (एजेंसी)। क्रिकेट की वैश्विक संस्था आईसीसी ने मलाबा के खाते में एक डिमेरिट अंक भी जोड़ दिया है। दरअसल, उन पर आचार संहिता के लेवल एक के उल्लंघन के कारण यह कार्रवाई हुई है। दक्षिण अफ्रीका की स्पिनर नॉनकुलुलेको मलाबा ने भारत के खिलाफ महिला वनडे विश्व कप के मुकाबले में अच्छा प्रदर्शन किया था, लेकिन आईसीसी ने आचार संहिता का उल्लंघन करने पर उन्हें फटकार लगाई है। क्रिकेट की वैश्विक संस्था आईसीसी ने मलाबा के खाते में एक डिमेरिट अंक भी जोड़ दिया है। दरअसल, उन पर आचार संहिता के लेवल एक के उल्लंघन के कारण यह कार्रवाई हुई है। आईसीसी ने बयान जारी कर कहा, मलाबा को खिलाड़ियों और उनके सहयोगी स्टाफ के लिए आईसीसी आचार संहिता की धारा 2.5 के उल्लंघन का दोषी पाया गया है, जो किसी अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान बल्लेबाज के आउट होने पर अपमानजनक भाषा, कार्य या हावभाव का प्रयोग करने या आक्रामक प्रतिक्रिया से संबंधित है।

राखी सावंत ने तौलिया लपेटे किया बड़ा ऐलान, दुबई से वापस आ रही हैं इंडिया

ड्रामा क्वीन राखी सावंत फिर से सुर्खियों में हैं। हाल ही में उन्होंने एक वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया है, जिसमें वह तौलिया लपेटे हुए दुबई से इंडिया लौटने का ऐलान करती नजर आ रही हैं। उनका यह नया लुक और वीडियो फैंस के बीच तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में राखी सावंत सिर और शरीर पर तौलिया लपेटे हुए ब्लैक शेड्स लगाए नजर आ रही हैं। उनका यह अनोखा और स्टाइलिश

लुक सोशल मीडिया यूजर्स को खूब पसंद आ रहा है। फैंस उनके इस नए लुक पर जमकर कमेंट्स कर रहे हैं और उनकी वापसी का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। राखी वीडियो में कहती हैं, ह्लगॉय, आखिरकार आपकी राखी सावंत इंडिया आ रही है। मैं दोस्तों से मिलने के लिए बहुत एक्साइटेड हूं। आप लोग तैयार हो? स्वागत नहीं करोगे हमारा? मैं इंडिया आकर रियलिटी शोज में धमाल मचाने वाली हूं। बिग बॉस में भी जाने वाली हूं। कितने लोग मुझे देखने के लिए इंतजार कर रहे हैं ह्लराखी और अभिषेक के बीच इस मजेदार फ्लर्ट सीन के बाद शो में ईशा मालवीय का रिएक्शन देखने को मिलेगा, जो इस पूरी कहानी को और भी रोचक बनाएगा। राखी की वापसी से फैंस में बढ़ा उत्साह राखी सावंत की यह नई वीडियो और इंडिया लौटने की खबर उनके फैंस में खासा उत्साह लेकर आई है। अब सबकी नजरें इस बात पर टिकी हैं कि राखी अपने नए प्रोजेक्ट्स और रियलिटी शोज में क्या धमाल मचाती हैं। राखी जल्द ही रियलिटी शो पति पत्नी और वो में नजर आने वाली हैं। इस शो की कहानी इस वक्त अविका और मिलिंद की शादी पर केंद्रित है। राखी इस शादी का हिस्सा बनेंगी और शो में अपने से छोटे अभिषेक कुमार के साथ फ्लर्ट करती दिखाई देंगी।

रणवीर सिंह, बॉबी देओल और श्रीलीला ने अपनी नई फिल्म की शूटिंग की पूरी

रणवीर सिंह, बॉबी देओल और श्रीलीला की आने वाली फिल्म काफी चर्चा में है। सेट से झलकियां और लीक हुई तस्वीरें सामने आने के बाद से ही यह प्रोजेक्ट सुर्खियों में है। ऐसे में जब इस तिकड़ी को साथ में शूटिंग करते देखा गया, उसके बाद फैन्स के बीच इसे लेकर उत्सुकता बढ़ गई यह जानने के लिए कि आखिर यह टीम किस प्रोजेक्ट पर काम कर रही है।अब सूत्र के मुताबिक, इस प्रोजेक्ट की शूटिंग आधिकारिक तौर पर पूरी हो गई है। टीम ने हाल ही में आखिरी शेड्यूल खत्म किया है, जिससे इस साल के सबसे बड़े और रोमांचक प्रोजेक्ट्स में से एक की शूटिंग पूरी हो गई है। फिल्म से जुड़े एक करीबी सूत्र ने कहा, ह्लशूटिंग आराम से पूरी हो गई है और मेकर्स जल्द ही कुछ बड़ा करने की सोच रहे हैं। इस प्रोजेक्ट से जुड़ी एक बड़ी खबर अगले हफ्ते आ सकती है। रणवीर और श्रीलीला की जोड़ी बहुत अच्छी लगी है, जो नई, जोश से भरी हुई और दर्शकों को जरूर पसंद आएगी।फिलहाल फिल्म से जुड़ी जानकारी गुप्त रखी गई है, लेकिन फैंस का उत्साह लगातार बढ़ता जा रहा है, क्योंकि आने वाले दिनों में एक बड़ी घोषणा होने की उम्मीद है।

दीपिका की हिजाब कंट्रोवर्सी के बीच दुबई पहुंचीं सोनाक्षी, तस्वीरें देख यूजर्स ने किए ऐसे कमेंट

दीपिका पादुकोण के बाद सोनाक्षी सिन्हा दुबई पहुंची हैं। उन्होंने यहां से कई तस्वीरें और वीडियो शेयर किए हैं। इस पर यूजर्स कमेंट कर रहे हैं। दीपिका पादुकोण के बाद सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल दुबई पहुंचे हैं। दोनों ने दुबई की शेख जायद ग्रैंड मस्जिद का दौरा किया है। सोनाक्षी सिन्हा ने इसकी तस्वीरें और वीडियो इंस्टाग्राम पर शेयर किए हैं। वीडियो में देखा जा सकता है कि यह जोड़ा मस्जिद में टहल रहा है। सोनाक्षी के मुताबिक उन्हें यहां सुकून मिला है। उनकी इस पोस्ट पर यूजर्स कमेंट कर रहे हैं। तस्वीरों और वीडियो में क्या है? तस्वीरों और वीडियो में देखा जा सकता है कि सोनाक्षी ने हरे और सफेद रंग का कुर्ता-पजामा पहना है। उन्होंने अपने सर पर दुपट्टा डाला है। सोनाक्षी सिन्हा ने अपनी तस्वीरें और वीडियो साझा करते हुए कैप्शन में लिखा है 'यहां दुबई में थोड़ा सा सुकून (शांति) मिला है।' इसके साथ उन्होंने मस्जिद वाला इमोजी बनाया है। वीडियो पर भड़के यूजर्स सोनाक्षी सिन्हा की पोस्ट पर कई यूजर्स ने कमेंट किए हैं। एक यूजर ने लिखा 'जूतों के साथ मस्जिद में जाना बहुत गुनाह है।' एक दूसरे यूजर ने लिखा है 'जहीर भाई एहतराम अल्लाह को पसंद है। मस्जिद के लिए थोड़ी इज्जत रखिए। आप इतने बड़े नहीं हैं कि मस्जिद में जूते उतार कर न जाएं। यहां सोनाक्षी की गलती नहीं है।' सोनाक्षी और जहीर के सपोर्ट में आए यूजर्स दोनों एक ही मस्जिद में गईं, और दोनों अपने-अपने पतियों के साथ खूबसूरत लग रही थीं। क्या हम लोगों को ट्रोल करना बंद कर सकते हैं और उन्हें शांति से जीने दे सकते हैं?' ट्रोल हुई थीं दीपिका इससे पहले दीपिका पादुकोण ने रणवीर सिंह के साथ दुबई की एक मस्जिद में एक विज्ञापन शूट कराया था। उन्होंने अबू धाबी पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए ऐसा किया था। इस दौरान उन्होंने अबाया और हिजाब पहना था। इस पर उन्हें कई यूजर्स ने ट्रोल किया था। सोनाक्षी और जहीर की शादी आपको बता दें कि सोनाक्षी सिन्हा और जहीर खान ने पिछले साल जून में शादी की थी। शादी के बाद उन्होंने मुंबई के एक आलीशान रेस्टोरेंट में एक पार्टी रखी थी। इसमें कई बॉलीवुड हस्तियां शामिल हुईं थीं।

जटाधारा से सुधीर बाबू के स्वैग और श्रेया शर्मा के जलवों से सजा गीत पल्लो लटके हुआ रिलीज

सुधीर बाबू और सोनाक्षी सिन्हा के अभिनय से सजी और जी स्टूडियोज और प्रेरणा अरोड़ा द्वारा प्रस्तुत बहुप्रतीक्षित फिल्म जटाधारा, के विजुअली शानदार टीजर और धना पिशाची गीत के बाद, मेकर्स ने अब पेश किया है फिल्म का सबसे जबरदस्त डांस नंबर पल्लो लटके, जो अपने हाई-एनर्जी बीट्स और जोशीले मूव्स के साथ हर डांस फ्लोर को जगमगाने के लिए तैयार है। पल्लो लटके गीत में जहां सुधीर बाबू अपने स्टाइलिश लुक और दमदार स्क्रीन प्रेजेन्स से दिल जीत ले रहे हैं, वहीं श्रेया शर्मा अपनी ग्रेस और एनर्जी से हर फ्रेम में चार चांद लगा रही हैं। भव्य स्केल पर शूट किए गए इस गाने में विजुअली स्टनिंग कोरियोग्राफी के साथ दोनों की कैमिस्ट्री इस गाने को और भी धमाकेदार बना रही है। अगर यह कहें तो गलत नहीं होगा कि सुधीर बाबू के बेमिसाल मूव्स और स्वैग के साथ श्रेया शर्मा का जोशीला डांस दर्शकों के लिए एक विजुअल ट्रीट होगा। लोकप्रिय राजस्थानी लोकगीत पल्लो लटके को जटाधारा में एक नए अंदाज में पेश किया गया है, जहां पारंपरिक मेलोडी को आधुनिक बीट्स और कटिंग-एज कोरियोग्राफी के साथ जोड़ा गया है। यह गाना परंपरा और आधुनिकता का शानदार संगम पेश करता है, जो भारतीय आत्मा से जुड़ी डिजिटल जेनरेशन को भी खूब भाएगी। ऐसे में इसका कैची रिदम, फूट-टैपिंग ग्रूव और सोशल मीडिया पर छाने वाले विजुअल मूव्स इसे इस साल का अल्टीमेट डांस एंथम बना देते हैं। जटाधारा में सुधीर बाबू और सोनाक्षी सिन्हा के साथ दिव्या खोसला, शिल्पा शिरोडकर, इंदिरा कृष्णा, रवि प्रकाश, नवीन नेनी, रोहित पाठक, झांसी, राजीव कनकला और सुभलेखा सुधाकर जैसे कई दिग्गज कलाकार हैं। फिल्म अच्छाई बनाम बुराई, प्रकाश बनाम अंधकार और मानव इच्छाशक्ति बनाम ब्रह्मांडीय भाग्य की रोमांचक लड़ाई को पेश करती है। जी स्टूडियोज और प्रेरणा अरोड़ा द्वारा प्रस्तुत जटाधारा का निर्माण उमेश कुमार बंसल, शिविन नारंग, अरुणा अग्रवाल, प्रेरणा अरोड़ा, शिल्पा सिंघल और निखिल नंदा ने किया है। फिल्म के सह-निमार्ता अक्षय केजरीवाल और कुसुम अरोड़ा हैं, जबकि क्रिएटिव प्रोड्यूसर दिव्या विजय और सुपरवाइजिंग प्रोड्यूसर भावना गोस्वामी हैं। फिल्म का दमदार म्यूजिक जी म्यूजिक कंपनी द्वारा तैयार किया गया है। फिल्म जटाधारा 7 नवंबर को हिंदी और तेलुगु में रिलीज होगी।

जानें क्या थी द बैड्स ऑफ बॉलीवुड की क्रिएटिव लिमिट्स, आर्यन खान ने बताई खास बात

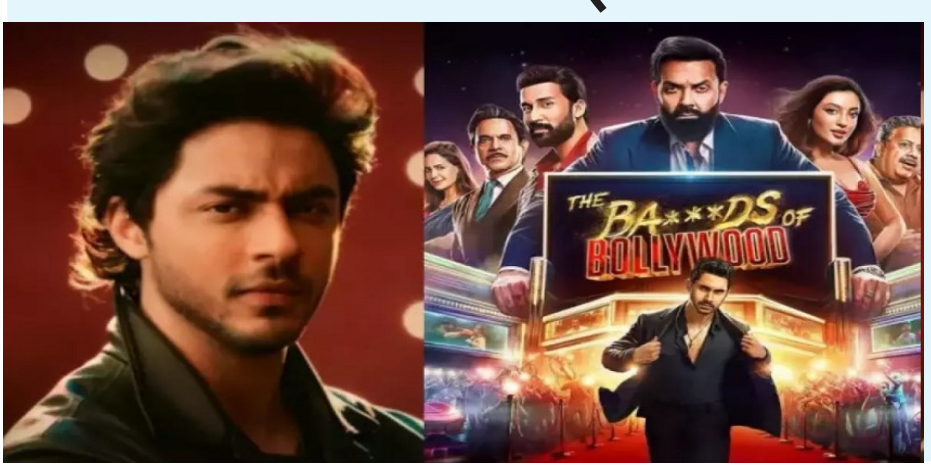

द बैड्स ऑफ बॉलीवुड एक जबरदस्त सफलता बनकर सामने आई है, जिसने देश भर के लोगों का दिल जीत लिया है। कहना होगा कि आर्यन खान के डायरेक्शन में बनी यह 7-एपिसोड की सीरीज ने शानदार असर छोड़ा है और नेटफ्लिक्स इंडिया पर नंबर 1 पर ट्रेंड कर रही है, जो इसे मिली जबरदस्त पॉपुलैरिटी का सबसे बड़ा सबूत है। बॉलीवुड की उलझी हुई दुनिया को दिखाते हुए, आर्यन खान ने कहा है कि उन्होंने कहानी बनाते समय रचनात्मक सीमाओं का ध्यान रखा ताकि यह कभी भी असम्मानजनक न लगे। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान आर्यन खान ने बताया कि टीम ने खुद अपनी सीमाएं तय की थीं, खासकर रचनात्मक आजादी को लेकर। उन्होंने कहा, ह्लहम चाहते थे कि हम खुद पर हल्का-फुल्का मजाक करें, लेकिन कहीं भी असम्मानजनक न हों। मुझे लगता है कि हमने उस लाइन को सही तरीके से बनाए रखा, और यह सीमाएं हमने खुद तय की थीं, क्योंकि जब आप इंडस्ट्री के बारे में कुछ बना रहे हों और उसी का हिस्सा भी हों, तो उसमें बहुत सम्मान होना जरूरी है। मेरा मानना है कि कॉमेडी की सबसे जरूरी बात यह है कि लोग खुद पर मजाक ले सकें। पहले खुद पर हंसिए, फिर दूसरों में खुशी बांटिए। लोग बहुत ही स्पोर्टिंग रहे, और हमने भी पूरी कोशिश की कि किसी तरह की असम्मानजनक बात न हो, बस हल्के-फुल्के अंदाज में खुद पर मजाक किया जाए।ह्व आर्यन खान की डायरेक्टोरियल डेब्यू सीरीज द बैड्स ऑफ बॉलीवुड आसमान सिंह (लक्ष्य लालवानी) की कहानी बताती है। यह एक मेहनती आउटसाइडर है, जो बॉलीवुड की फेम, ग्लैमर और पावर गेम्स की दुनिया में खुद को बचाने की कोशिश करता है। ऐसे में यह शो तीखे सैटायर और जोरदार ड्रामा को मिलाते हुए, यह बेझिझक इंडस्ट्री की छिपी हुई हकीकतों को सामने लाता है। और इसे और भी रोमांचक बनाते हैं बॉलीवुड के दिग्गजों जैसे शाहरुख खान, आमिर खान, सलमान खान, करण जौहर और कई अन्य के अचानक आने वाले कैमियो, जो कहानी में स्टार पावर जोड़ते हैं। द बैड्स ऑफ बॉलीवुड को आर्यन खान ने लिखा और डायरेक्ट किया है, जबकि गौरी खान इसे रेड चिलीज एंटरटेनमेंट के बैनर तले प्रोड्यूस कर रही हैं। इस सीरीज में लक्ष्य लालवानी, बॉबी देओल, मोना सिंह, राघव जूयाल, अन्या सिंह, मनोज पहवा, मनीष चौधरी, सहेर बम्बा, गौतमी कपूर, राजत बेदी और अन्य जैसे स्टार कलाकार शामिल हैं। यह सबसे ज्यादा इंतेजार कियाबजा रहा शो नेटफ्लिक्स पर 18 सितंबर 2025 को प्रीमियर हो चुका है।

विजय हजारे और गावस्कर की एलीट सूची में शामिल हुए गिल, घरेलू मैदान पर ऐसा करने वाले तीसरे कप्तान

नई दिल्ली (एजेंसी)। गिल को इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के दौरान रोहित शर्मा की जगह टेस्ट टीम की कमान सौंपी गई थी और भारतीय जमीन पर पहली बार वह लाल गेंद के प्रारूप में टीम की कप्तानी कर रहे हैं। भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच की पहली पारी में अर्धशतक लगा दिया है। गिल इसके साथ ही विजय हजारे और सुनील गावस्कर की विशेष एलीट सूची में शामिल हो गए हैं। गिल भारत के तीसरे कप्तान हैं जिन्होंने घरेलू मैदान पर कप्तान रहते अपने पहली दो पारियों में 50+ स्कोर बनाया है। मालूम हो कि गिल को इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के दौरान रोहित शर्मा की जगह टेस्ट टीम की कमान सौंपी गई थी और भारतीय जमीन पर पहली बार वह लाल गेंद के प्रारूप में टीम की कप्तानी कर रहे हैं। दूसरे टेस्ट में भारत का विशाल स्कोर भारत ने वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच के दूसरे दिन लंच तक पहली पारी में चार विकेट पर 427 रन बनाए। भारत के लिए शुभमन गिल 75 और ध्रुव जुरेल सात रन बनाकर क्रीज पर मौजूद हैं। भारत ने पहले सत्र में यशस्वी जायसवाल और नीतीश रेड्डी के रूप में दो विकेट गंवाए।

पुलिस ट्रेनिंग सेंटर पर बड़ा आत्मघाती हमला

छह आतंकवादी मारे गए; सात जवानों की मौत

पेशावर (एजेंसी)। दहशतगर्दों को पालने वाला पाकिस्तान अब खुद आतंकवाद से जूझ रहा है। भुखमरी, महंगाई और बेरोजगरी से त्रस्त पड़ोसी देश की आए दिन होने वाले आत्मघाती हमलों ने कमर तोड़ दी है। उत्तर-पश्चिमी पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में एक पुलिस ट्रेनिंग स्कूल पर हुए आतंकी हमले के बाद पांच घंटे तक चली मुठभेड़ में तीन और आतंकवादी मारे गए हैं। अधिकारियों ने शनिवार (11 अक्तूबर) को बताया कि गोलीबारी में छह और पुलिसकर्मी मारे गए। आतंकियों के छिपे होने की खबर डेरा इस्माइल खान जिले के रत्ता कुलाची पुलिस प्रशिक्षण स्कूल पर हुए हमले के बाद पुलिसकर्मियों की जवाबी गोलीबारी में तीन आतंकवादी मारे गए थे, और कुछ अन्य के परिसर के अंदर छिपे होने की बात कही गई थी। शुक्रवार देर रात एक अभियान के दौरान तीन और आतंकवादी मारे गए, जबकि छह और पुलिसकर्मियों की मौत हो गई। इससे पहले एक पुलिसकर्मी के मारे जाने की खबर आई थी, जिससे हमले में मारे गए सुरक्षाकर्मियों की संख्या सात हो गई, जबकि 13 पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। अधिकारियों के अनुसार सभी प्रशिक्षु रंगरूटों और कर्मचारियों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा दिया गया है।

विस्फोटकों से लदे ट्रक के साथ किया धमाका इस अभियान में एसएसजी कमांडो, अल-बुर्क फोर्स, एलीट फोर्स और पुलिसकर्मी शामिल थे। यह घटना शुक्रवार देर रात हुई जब आतंकवादियों ने विस्फोटकों से लदे एक ट्रक को पुलिस प्रशिक्षण स्कूल के मुख्य द्वार से टकरा दिया, जिससे एक जोरदार विस्फोट हुआ। विस्फोट के तुरंत बाद वर्दी पहने आतंकवादी परिसर में घुस आए और अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। पुलिसकर्मियों ने जवाबी कार्रवाई की और हमलावरों को घेर लिया। गोलीबारी के दौरान आतंकवादी हथगोले फेंकते रहे। डीपीओ डेरा इस्माइल खान साहिबजादा सज्जाद अहमद और आरपीओ सैयद अशफाक अनवर ने मौके पर अभियान की व्यक्तिगत निगरानी की। पांच घंटे की कड़ी मुठभेड़ के बाद छह आतंकवादियों को मार गिराया गया। सुरक्षा बलों ने उनके पास से आत्मघाती जैकेट, विस्फोटक, आधुनिक हथियार और गोला-बारूद बरामद किया। 13 घायल पुलिसकर्मियों को तुरंत इलाज के लिए पास के अस्पतालों में ले जाया गया। सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया, पूरा इलाका खाली डीपीओ के अनुसार हमले के दौरान प्रशिक्षण स्कूल में लगभग 200 प्रशिक्षु, प्रशिक्षक और कर्मचारी मौजूद थे और उन्हें सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। खैबर पख्तूनख्वा के पुलिस महानिरीक्षक जुल्फिकार हमीद ने पुष्टि की कि इलाके को पूरी तरह से खाली करा लिया गया है और किसी भी शेष खतरे को खत्म करने के लिए तलाशी और सफाई अभियान जारी है।

इंडिगो फ्लाइट का लैंडिंग से पहले दरका विंडशील्ड, 76 यात्री थे सवार; अकासा एयर के विमान से टकराया पक्षी

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीते कुछ वक्त से विमान में होने वाली घटनाएं कम होने का नाम नहीं ले रही है। अब इंडिगो और अकासा एयर की खबर सामने आई। जिसके बाद हवाई यात्रा पर सवाल उठ रहे हैं। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो के विमान की चेन्नई हवाई अड्डे पर लैंडिंग से पहले बड़ी घटना होते-होते बची। मदुरै से चेन्नई आ रही इंडियो फ्लाइट के विंडशील्ड में दरार आ गई। जानकारी के अनुसार विमान के कॉकपिट ग्लास में आई दरार पर लैंडिंग से ठीक पहले पायलट को नजर पड़ी, जिसके बाद पायलट ने तुरंत इसकी सूचना हवाई अड्डे पर एयर ट्रैफिक कंट्रोलर को दी। कॉकपिट ग्लास में दरार, विमान में सवार थे 76 यात्री दरअसल, शनिवार को इंडियो विमान 76 यात्रियों को लेकर मदुरै से चेन्नई जा रही थी। इस दौरान चेन्नई एयरपोर्ट पर उतरने से पहले पायलट की नजर विंडशील्ड में आई दरार पर पड़ी।पायलट ने आगे के शीशे में दरार देखी और फौरन हवाई अड्डे पर एयर ट्रैफिक कंट्रोलर को सूचित किया। जिसके बाद एयरपोर्ट पर व्यवस्था की गई और विमान सुरक्षित रूप से उतर गया। मदुरै के लिए वापसी उड़ान की रद्द एयरपोर्ट पर उतरने के बाद विमान को पार्किंग के लिए एक अलग बे (बे नंबर 95) में ले जाया गया और बाद में यात्रियों को सुरक्षित रूप से उतार दिया गया। इसके बाद विंडशील्ड बदलने की व्यवस्था की गई। हालांकि विंडशील्ड पर दरार कैसे आई, इसके कारणों का फिलहाल पता नहीं चला पाया है।

उच्च न्यायालय का राज्य सरकार को झटका

निकाय चुनाव में ट्रिपल टेस्ट ढांचे में चुनाव कराने का निर्देश

हैदराबाद (एजेंसी)।

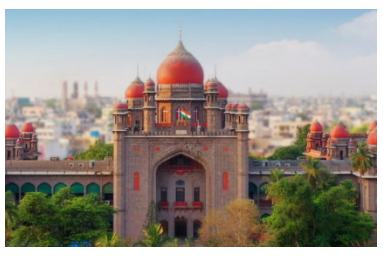

याचिकाकताओं का नेतृत्व कर रहे वरिष्ठ वकील के विवेक रेड्डी ने तर्क दिया कि राज्य सरकार का आदेश राजनीतिक आरक्षण के लिए सर्वोच्च न्यायालय द्वारा लगाई गई 50 प्रतिशत की सीमा से अधिक है। सरकारी आदेश सर्वोच्च न्यायालय द्वारा निर्धारित त्रिस्तरीय परीक्षण का भी उल्लंघन करता है। तेलंगाना उच्च न्यायालय ने राज्य सरकार को निर्देश दिया है कि कि स्थानीय निकाय चुनाव सर्वोच्च न्यायालय द्वारा निर्धारित त्रिस्तरीय परीक्षण (ळ१स्त्र'ी ळी२३) के ढांचे के भीतर होने चाहिए। राज्य सरकार के लिए ये बड़ा झटका माना जा रहा है कि क्योंकि राज्य सरकार ने तेलंगाना में ओबीसी आरक्षण बढ़ाकर 42 प्रतिशत कर दिया है, जिससे एससी (15 प्रतिशत) और एसटी (10 प्रतिशत) आरक्षण को मिलाकर कुल आरक्षण 67 प्रतिशत हो जाता है, जो ट्रिपल टेस्ट नियम का उल्लंघन है। उच्च न्यायालय ने सरकारी आदेश पर लगाई अंतरिम रोक उच्च न्यायालय ने राज्य सरकार के उस सरकारी आदेश पर अंतरिम रोक लगा दी है, जिसमें 42 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण के साथ 8 अक्टूबर को स्थानीय निकाय चुनाव कराने का आदेश जारी किया गया था। उच्च न्यायालय ने कहा कि राज्य चुनाव आयोग आनुपातिक सीटों को खुली श्रेणी की सीटों के रूप में अधिसूचित करेगा और चुनाव कराएगा। याचिकाकताओं का नेतृत्व कर रहे वरिष्ठ वकील के विवेक रेड्डी ने

तर्क दिया कि राज्य सरकार का आदेश राजनीतिक आरक्षण के लिए सर्वोच्च न्यायालय द्वारा लगाई गई 50 प्रतिशत की सीमा से अधिक है। सरकारी आदेश सर्वोच्च न्यायालय द्वारा निर्धारित त्रिस्तरीय परीक्षण का भी उल्लंघन करता है। क्या है ट्रिपल टेस्ट गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट ने स्थानीय निकाय चुनाव में अन्य पिछड़ा वर्ग को आरक्षण देने के लिए ट्रिपल टेस्ट का एक ढांचा बनाया है। इसके तहत राज्यों को ओबीसी वर्ग के आंकड़ों को जुटाने के लिए एक आयोग का गठन करना होता है, साथ ही आयोग की रिपोर्ट के आधार पर आनुपातिक आरक्षण तय करना होता है और ये भी सुनिश्चित करना होता है कि अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग का कुल आरक्षण 50 प्रतिशत से ज्यादा नहीं होना चाहिए। अदालत के आदेश के बाद चुनाव आयोग ने आगे की गतिविधियां स्थगित कीं अदालत के स्थगन आदेश के बाद, तेलंगाना राज्य चुनाव आयोग ने गुरुवार को एक बयान जारी कर कहा कि चुनाव अधिसूचना 29 सितंबर को जारी कर दी गई है और अगली अधिसूचना तक आगे की गतिविधियों को स्थगित किया जा रहा है। तेलंगाना राज्य चुनाव आयोग ने 29 सितंबर को ग्रामीण स्थानीय निकायों के चुनावों के लिए पांच चरणों की घोषणा की, जो अक्टूबर और नवंबर के बीच होंगे। उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश अपरेश कुमार सिंह और जस्टिस जीएम मोहिउद्दीन की खंडपीठ ने, कांग्रेस सरकार के पिछड़ा वर्ग कोटा बढ़ाने के आदेश को चुनौती देने वाली कई याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए, सरकार को चार सप्ताह में अपना जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया।

मैक्सिको में भारी बारिश से तबाही, अब तक 28 लोगों की गई जान, हर तरफ भयानक मंजर

मेक्सिको सिटी (एजेंसी)। मैक्सिको में मूसलाधार बारिश ने ताबाही मचा दी है। भारी बारिश की वजह से आई बाढ़ और लैंडस्लाइड्स के कारण अब तक 28 लोग की मौत हो गई। लोगों को सुरक्षित स्थानों पर भेजा रहा है। सड़कें दरिया बन गई, जबकि घर से लेकर अस्पताल तक सब पानी-पानी हो गया। मैक्सिको में भारी बारिश ने कहर बपाया हुआ है। आसमानी से आई आफत से हर तरफ बस परेशानी ही परेशानी नजर आ रही है। मध्य और दक्षिण-पूर्वी मैक्सिको में भयानक बारिश के कारण आई बाढ़ से भूस्खलन हुआ है। जिससे घरों और हाईवे को नुकसान पहुंचा है। लगातार हो रही भारी बारिश के चलते कम से कम 28 लोगों की जान चली गई। प्रभावित क्षेत्रों के विभिन्न हिस्सों से सोशल मीडिया पर वीडियो में सड़कें दरिया में तब्दील नजर आ रही हैं। जिनमें वाहन और घर लगभग पूरी तरह से पानी में डूब चुके हैं। लोगों को सुरक्षित स्थान पर

पहुंचाने के लिए बचाव अभियान चलाया जा रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक मैक्सिको ने लोगों की सहायता के लिए 8700 सैन्य कर्मियों को तैनात किया है। हिडाल्गो में 16 लोगों की मौत राज्य के आंतरिक सचिव गिलर्मो ओलिवारेस रेयना के अनुसार सबसे ज्यादा प्रभावित क्षेत्रों में से एक मध्य राज्य हिडाल्गो है, जहां 16 लोगों की मौत की सूचना मिली है। भूस्खलन और नदियों के उफान पर होने के कारण राज्य में कम से कम 1000 घर, 59 अस्पताल और क्लीनिक और 308 स्कूल क्षतिग्रस्त हुए हैं। उन्होंने बताया कि राज्य की 84 नगरपालिकाओं में से लगभग 17 में बिजली सप्लाई बाधित हो गई। पड़ोसी राज्य पुएब्ला में गवर्नर एलेजांद्रो अर्मेंटा के अनुसार नौ लोगों की मौत हो गई और 13 लापता हैं। उन्होंने बाढ़ के पानी में छतों पर फंसे कुछ बच्चों सहित 15 लोगों को बचाने के लिए संघीय सरकार से मदद मांगी। उन्होंने अनुमान लगाया कि भारी बारिश से लगभग 80,000 लोग प्रभावित हुए हैं और कहा कि भूस्खलन के कारण एक गैस पाइपलाइन टूट गई है। लगभग 5,000 घर क्षतिग्रस्त, 900 लोगों को बचाया गवर्नर रोसियो नाहले ने बताया कि खाड़ी तटवर्ती राज्य वेराक्रूज में एक पुलिस अधिकारी सहित दो लोगों की मौत हो गई।

जिनपिंग के साथ बैठक रद्द करने की बात से पलटे ट्रंप, चीन के नए निर्यात प्रतिबंधों को बताया 'चौंकाने वाला'

वाशिंगटन डीसी (एजेंसी)। चीन के साथ बढ़ते व्यापारिक तनाव के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ बैठक रद्द करने की बात की थी, हालांकि अब उन्होंने अपने बयान पर सफाई देते हुए कहा कि उन्होंने अपनी प्रस्तावित बैठक आधिकारिक तौर पर रद्द नहीं की है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीनी राष्ट्रपति शी जिंगपिंग के साथ मुलाकात रद्द करने वाले बयान पर स्पष्टीकरण जारी किया है।

डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी हालिया टिप्पणी, जिसमें उन्होंने ₹शी जिनपिंग से मिलने का कोई कारण नहीं₹ होने की बात कही थी, अब उस बयान पर सफाई दी है। ट्रंप ने कहा कि चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ प्रस्तावित बैठक आधिकारिक तौर पर रद्द नहीं की है। व्हाइट हाउस में क्या बोले ट्रंप? चीन पर बोलते हुए ट्रंप ने व्हाइट हाउस में मीडिया से कहा, ₹नहीं, मैंने रद्द नहीं किया है। हालांकि, मुझे यकीन नहीं है कि हम इसे हासिल कर पाएंगे या नहीं। मैं वहां जरूर जाऊंगा। मुझे लगता है कि हम इसे प्राप्त कर पाएंगे। हालांकि, उन्होंने दुनिया को एक झटका दिया। यह चौंकाने वाला था। अचानक, उन्होंने आयात-निर्यात की यह पूरी अवधारणा बना दी, और किसी को इसके बारे में कुछ भी पता नहीं था। चीन के फैसले से तमतमाए ट्रंप इससे पहले ट्रंप ने कहा था कि बीजिंग ने दुर्लभ मृदा तत्वों पर व्यापक नए निर्यात नियंत्रण लगाकर 'बेहद शत्रुतापूर्ण' कदम उठाए जाने के बाद,चीनी राष्ट्रपति से ₹मुलाकात करने का कोई कारण नहीं है।

फलस्तीन के सबसे लोकप्रिय नेता को रिहा नहीं करेगा इस्राइल, हमास की मांग को ठुकराया

तेल अवीव (एजेंसी)। गाजा में इस्राइल और हमास के बीच हुए संघर्ष विराम समझौते के तहत इस्राइली सैनिक गाजा से वापसी करेंगे और हमास 20 जीवित इस्राइली बंधकों को रिहा करेगा। बंधकों की रिहाई सोमवार से शुरू हो सकती है। इस्राइल ने फलस्तीन के सबसे लोकप्रिय नेता मारवान बरघौती को संघर्ष विराम समझौते के तहत रिहा करने से इनकार कर दिया है। बरघौती उन कैदियों में शामिल नहीं हैं, जिन्हें इस्राइल, संघर्ष विराम समझौते के तहत बंधक बनाए गए लोगों के बदले रिहा करेगा। हमास लंबे समय से बरघौती की रिहाई की मांग कर रहा है। हालांकि इस्राइल ने बरघौती के अलावा अन्य हाई प्रोफाइल कैदियों को भी रिहा करने से इनकार कर दिया है। हमास ने कहा- रिहाई के लिए मध्यस्थों के साथ बातचीत कर रहे शुक्रवार को इस्राइली सरकार की आधिकारिक वेबसाइट पर रिहा किए जाने वाले 250 कैदियों की सूची जारी की गई। हालांकि यह साफ नहीं है कि यह सूची अंतिम है या नहीं। हमास के शीर्ष नेता मूसा अबू मरजूक ने बताया कि हमास बरघौती और अन्य हाई-प्रोफाइल हस्तियों की रिहाई पर अड़ा है और मध्यस्थों के साथ बातचीत कर रहा है। इस्राइल, बरघौती को एक आतंकवादी नेता मानता है। बरघौती

साल 2004 में इस्राइल में हुए हमलों के सिलसिले में दोषी ठहराए जाने के बाद आजीवन कारावास की सजा काट रहा है। उस हमले में पांच लोग मारे गए थे। फलस्तीनियों के बीच बेहद लोकप्रिय हैं मारवान बरघौती मारवान बरघौती के बारे में कहा जाता है कि वह इस्राइली कब्जे के खिलाफ सशस्त्र प्रतिरोध का समर्थक है, लेकिन साथ ही वह दो राज्य समाधान का भी समर्थक है। फलस्तीनियों में बरघौती की बेहद लोकप्रियता है। कुछ फलस्तीनी बरघौती की तुलना दक्षिण अफ्रीका के रंगभेद विरोधी नेता नेल्सन मंडेला के साथ करते हैं। यही वजह है कि इस्राइल बरघौती की रिहाई से इनकार कर रहा है। गाजा में इस्राइल और हमास के बीच हुए संघर्ष विराम समझौते के तहत इस्राइली सैनिक गाजा से वापसी करेंगे और हमास 20 जीवित इस्राइली बंधकों को रिहा करेगा। बंधकों की रिहाई सोमवार से शुरू हो सकती है। बंधकों की रिहाई के बदले इस्राइल अपनी जेलों में बंद 250 फलस्तीनियों को रिहा करेगा और साथ ही बीते दो वर्षों में बिना किसी आरोप में पकड़े गए 1700 लोगों को भी रिहा करेगा। रिहा होने वाले कई लोग दो दशक से जेल में बंद इस्राइल जिन फलस्तीनी कैदियों को रिहा करने जा रहा है और ये हमास और फतह गुट के सदस्य हैं, जिन्हें 2000 के दशक में गिरफ्तार किया गया था। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, रिहाई के बाद इन लोगों को गाजा या फलस्तीनी क्षेत्र से बाहर निर्वासन में रहना होगा। रिहा किए जा रहे कैदियों में से एक इयाद अबू अल रब का नाम शामिल है। वह एक इस्लामिक जिहाद कमांडर है, जिसे 2003-2005 के बीच इस्राइल में आत्मघाती हमलों की योजना बनाने के आरोप में दोषी ठहराया गया। इसमें 13 लोग मारे गए थे। रिहा होने वालों में सबसे उम्रदराज और सबसे लंबे समय से जेल में बंद 64 वर्षीय समीर अबू नामा है, जो फतह के सदस्य है और उसे 1986 में गिरफ्तार किया गया था। अबू नामा को इस्राइल में विस्फोटक लगाने के आरोप में दोषी ठहराया गया था।

अमेरिका में गहराया संकट, शटडाउन के बीच ट्रंप सरकार ने संघीय कर्मचारियों को नौकरी से निकालना शुरू किया

वॉशिंगटन (एजेंसी)। ट्रंप प्रशासन के छंटनी के कदम की आलोचना भी शुरू हो गई है। डेमोक्रेट सांसदों के साथ ही सत्ताधारी रिपब्लिकन पार्टी के कई सांसदों ने भी ट्रंप प्रशासन के इस कदम की निंदा की है। अमेरिका में शटडाउन को 10 दिन का समय बीत गया है। अब ट्रंप सरकार ने संघीय कर्मचारियों को नौकरी से निकालना शुरू कर दिया है, यह ट्रंप प्रशासन द्वारा डेमोक्रेट पार्टी पर दबाव बनाने की रणनीति के तौर पर देखा जा रहा है, लेकिन इससे अमेरिका में राजनीतिक संकट गहराने की आशंका है। अमेरिका के बजट एवं प्रबंधन कार्यालय के निदेशक रस वॉट ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि छंटनी शुरू हो गई है। बजट एवं प्रबंधन विभाग के प्रवक्ता ने बताया

कि छंटनी बड़े पैमाने पर हो सकती है। अमेरिकी सरकार के शिक्षा, वित्त, आंतरिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और मानव सेवा विभाग में छंटनी हो सकती है। इन विभागों के प्रवक्ताओं ने कहा कि उन्हें कर्मचारियों की छंटनी को लेकर नोटिस मिले हैं। आमतौर पर अमेरिका में शटडाउन के दौरान कर्मचारियों को छुट्टियों पर भेज दिया जाता है और शटडाउन खत्म होने के बाद उन्हें वापस बुला लिया जाता है, लेकिन कर्मचारियों की छंटनी अमेरिका में राजनीतिक संकट बढ़ा सकती है। इससे व्हाइट हाउस और कांग्रेस के बीच भी टकराव होने की आशंका है। ट्रंप प्रशासन के फैसले की आलोचना शुरू ट्रंप प्रशासन के छंटनी के कदम की आलोचना भी शुरू हो गई है। डेमोक्रेट सांसदों के साथ ही सत्ताधारी रिपब्लिकन पार्टी के कई सांसदों ने भी ट्रंप प्रशासन के इस कदम की निंदा की है।

विशाल सैन्य परेड और सबसे शक्तिशाली हथियारों का जखीरा

किम जोंग-उन ने फिर दुनिया को चौंकाया

सियोल (एजेंसी)। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने पार्टी की 80वीं वर्षगांठ का जश्न मनाया। इस दौरान विशाल सैन्य पैरेड की गई, जिसमें उत्तर कोरिया शासक ने हथियारों का प्रदर्शन किया। जिनमें नई पीढ़ी की सामरिक मिसाइलों और उन्नत हथियार प्रणालियों को दिखाया। उत्तर कोरिया के शासक किम जोंग-उन के नेतृत्व में सत्तारूढ़ दल ने अपनी स्थापना का 80वां वर्षगांठ का जश्न मनाया। किम जोंग और विदेशी नेताओं की मौजूदगी में आयोजित विशाल सैन्य परेड में उत्तर कोरिया ने एक बार फिर दुनिया को चौंका दिया। इस दौरान किम जोंग ने अपनी परमाणु-सशस्त्र सेना के सबसे शक्तिशाली हथियारों का प्रदर्शन किया, जिसमें एक नई अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल (क्ळइट) भी शामिल है। जिसका परीक्षण वह आने वाले हफ्तों में करने की तैयारी कर रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक शुक्रवार रात बारिश में शुरू हुई और सत्तारूढ़ वर्कर्स पार्टी की स्थापना की 80वीं वर्षगांठ के मौके पर

आयोजित परेड ने किम की बढ़ती कूटनीतिक पकड़ और एक ऐसा शस्त्रागार बनाने के प्रयास को उजागर किया, जो अमेरिका और एशिया में उनके प्रतिद्वंद्वियों को प्रभावी ढंग से निशाना बना सके। सैन्य परेड में हथियारों का जखीरा उत्तर कोरिया की आधिकारिक कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी ने बताया कि परेड में ह्सोंग-20 नामक एक नई, अभी तक परीक्षण ना की गई अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल का प्रदर्शन किया गया, जिसे ₹सबसे शक्तिशाली परमाणु रणनीतिक हथियार प्रणाली₹ बताया गया। प्रदर्शन में शामिल अन्य हथियारों में कम दूरी की बैलिस्टिक, क्रूज और सुपरसोनिक मिसाइलें शामिल थीं, जिन्हें उत्तर कोरिया ने पहले प्रतिद्वंद्वी दक्षिण कोरिया में लक्ष्यों पर परमाणु हमला करने में सक्षम बताया था।

मंत्र भारत : RNI-MPHIN/2023/88414 देवांश प्रिंटिंग प्रेस 12/12 विनय नगर सेक्टर-2 ग्वालियर(म.प्र.) से मुद्रित एंव 433 आनंन नगर डबल रोड बहोड़ा ग्वालियर से प्रकाशित एवं सम्पादित।
E-Mail : mantragwalior@gmail.com । सम्पादक : मनीष शुक्ला, मोबाइल : 7007837917 स्थानीय संपादक- आनंद त्रिवेदी । वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र ग्वालियर न्यायालय होगा।